संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 202
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
मंगलवार 22 अक्टूबर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

विजयादशमी: दिल्ली में हुआ रावण दहन



- द्वारका में 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन
- प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न रामलीला मैदानों में राम-रावण युद्ध के मंचन के बाद रावण के पुतलों का दहन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई प्रमुख हस्तियां दशहरा समारोह में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारका सेक्टर-10 में आयोजित दशहरा समारोह में पहुंचीं। यहां द्वारका श्री रामलीला सोसायटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहीं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज स्थित आईपी एक्सटेंशन रामलीला समिति के दशहरा समारोह में शामिल हुए। उन्होंने देशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामलीलाओं का मंचन प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवंत रखने की परंपरा है। यह अत्याचार के अंत और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है।

भागवत का संबोधन राष्ट्र निर्माण और सामाजिक एकता का प्रेरक संदेश : मोदी

- प्रधानमंत्री ने विजयादशमी भाषण की सराहना की, आत्मनिर्भरता, सेवा, चरित्र निर्माण और पंच परिवर्तन को बताया महत्वपूर्ण



नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के विजयादशमी संबोधन को अत्यंत प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इसमें राष्ट्र की प्रगति, सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता और समाज के सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार रखे गए हैं। उन्होंने सेवा और राष्ट्र निर्माण पर दिए गए जोर की सराहना करते हुए कहा कि ये संघ के स्वयंसेवकों के जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नागपुर में संघ के शताब्दी वर्ष के विजयादशमी उत्सव पर भागवत का संबोधन प्रेरणादायी रहा। उन्होंने पंच परिवर्तन का उल्लेख करते हुए इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण बताया।

भागवत ने अपने संबोधन में आत्म-जागरूकता, स्वदेशी, सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा विविधता के बीच एकता का संदेश देती है। समाज के विभिन्न वर्गों को अपनी पहचान बनाए रखते हुए राष्ट्रीय एकता और आपसी सद्भाव को मजबूत करना चाहिए।

भागवत ने पंच परिवर्तन को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताई। इसके पांच प्रमुख आयाम सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व-बोध एवं स्वदेशी और नागरिक अनुशासन हैं। उन्होंने कहा कि इन सिद्धांतों को व्यवहार में उतारने से ही समाज में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

उन्होंने परिवारों में जागरूकता, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और नागरिक अनुशासन को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण जरूरत बताया। उनके अनुसार, इन विषयों की प्रासंगिकता केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के दूसरे देश भी इनकी आवश्यकता महसूस कर रहे हैं।

मोहन भागवत ने संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान चलाए गए जनसंपर्क अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि संगठन ने देशभर के गांवों और शहरी बस्तियों तक पहुंचने का प्रयास किया। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, आत्मनिर्भरता और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया को भागवत के संबोधन में उठाए गए मुद्दों के प्रति समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। संबोधन में राष्ट्र निर्माण के साथ सामाजिक जिम्मेदारी, व्यक्तिगत आचरण में सुधार और देश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया।

वाराणसी : 22 से 25 तक होगा भव्य एयर शो

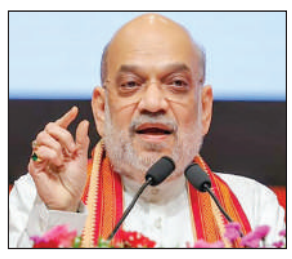


वाराणसी, (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना दिवस की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर वाराणसी के नमो घाट पर 22, 24 और 25 अक्टूबर को भव्य एयर शो का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए वायुसेना ने नमो घाट परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया है। इससे पहले 21 अक्टूबर को (आज) सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक अंतिम अभ्यास होगा। इसमें 20 से अधिक आधुनिक लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर गंगा के ऊपर करतब दिखाएंगे। सुरक्षा कारणों से नमो घाट पर आम लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। लोग अस्सी घाट से राजघाट तक विभिन्न घाटों से एयर शो देख सकेंगे। चंदौली के लोग डोमरी से रामनगर के बीच नदी तट और मैदानी इलाकों से विमानों का प्रदर्शन देख पाएंगे। प्रशासन का अनुमान है कि एयर शो देखने के लिए वाराणसी और आसपास के जिलों से 20 लाख से अधिक लोग पहुंच सकते हैं। भीड़ नियंत्रण, यातायात और सुरक्षा के लिए पांच हजार से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। गाजीपुर, जौनपुर और चंदौली के प्रशासनिक अधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अमित शाह ने पंजाब सरकार पर साधा निशाना, बोले-

पंजाब में नशे की पुड़िया कैसे पहुंच रही?

- 20 हजार करोड़ रुपये की ड्रग पकड़े जाने का किया जिक्र
- नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की मौत पर जताया दुख



लुधियाना, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर नशे के कारोबार को लेकर निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल किया कि जब बंदरगाहों पर 20 हजार करोड़ रुपये की ड्रग पकड़ी गई, तो पंजाब में नशा पुड़िया बनकर कैसे पहुंच रहा है। उन्होंने राज्य में नशे के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की।

विजयादशमी के अवसर पर लुधियाना पहुंचे शाह ने गुरदासपुर, संगरूर और मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों की मौत और आत्महत्या की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गुरदासपुर के 40 वर्षीय विक्रमजीत सिंह, संगरूर के गुलजार सिंह और मानसा के परविंदर सिंह झोटा से जुड़े मामलों ने उन्हें गहरे तक झकझोर दिया है।

शाह ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई दुखद घटनाओं के बाद पीड़ित परिवारों से मुलाकात की है, लेकिन पंजाब के लोगों की पीड़ा सुनकर उन्हें बेहद दुख हुआ। उन्होंने सवाल किया कि जिन परिवारों ने अपने बेटे, भाई या पति को खोया है, उन्हें पंजाब सरकार क्या जवाब देगी।

गृह मंत्री ने कहा कि वह पहले भी पंजाब में नशे के खिलाफ आयोजित भाजपा की रैली में कारोबार समाप्त करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नशे के मुद्दे पर कार्रवाई के बजाय उन पर ही आरोप लगाए गए।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले में जो भी दोषी होगा, उसे तलाशकर कानून के हवाले किया जाएगा। उन्होंने पंजाब सरकार से नशे और चिट्टे के कारोबार को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी मामले पर विपक्ष ने फडणवीस सरकार को घेरा

हमलावरों के आकाओं को कहीं से भी ढूंढकर निकालेंगे : फडणवीस



मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर रविवार शाम हुई गोलीबारी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। हमले में टाइगर बाल-बाल बच गए, जबकि उनका चालक घायल हो गया और अस्पताल में भर्ती है। टाइगर को भी हल्की चोटें आने की जानकारी सामने आई है। विपक्षी दलों ने घटना को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए राज्य में 'जंगलराज' होने का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमलावरों के आका कहीं भी छिपे हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में सक्रिय आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि साजिश के मुख्य आरोपी राज्य से बाहर या विदेश में रहकर काम कर रहे हैं।

भारत-यूएई संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी के वादे पर खरे उतर रहे : जयशंकर



मुंबई, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में लगातार मजबूत हो रहे हैं। मुंबई में यूएई के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान और उनके उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग को रेखांकित किया।

जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच लगातार संपर्क से द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती मिली है। इस वर्ष जनवरी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की भारत यात्रा, फरवरी में क्राउन प्रिंस शेख खालिद की भारत यात्रा और मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा ने संबंधों की गहराई को दशार्या है।

उन्होंने बताया कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंच गया है। रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ रहा है।

जयशंकर ने कहा कि क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच भारत संवाद और कूटनीति के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। भारत व्यापार, ऊर्जा और उर्वरकों की निर्बाध एवं सुरक्षित आपूर्ति के पक्ष में है। उन्होंने यूएई में भारतीय समुदाय की देखभाल के लिए वहां के नेतृत्व का आभार भी जताया।

ममता बनर्जी ने सीजेपी नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की



नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की तत्काल रिहाई की मांग की है। जंतर-मंतर पर कथित अनधिकृत प्रवेश के मामले में दोनों की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और इसे राज्य-प्रायोजित आतंकवाद करार दिया।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर आरोप लगाया कि युवाओं को निशाना बनाकर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वालों को दोनों नेताओं की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करनी चाहिए। दोनों नेताओं को 14 अक्टूबर को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। सोमवार को हिरासत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसके बाद उनकी न्यायिक हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई। सीजेपी की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने हिरासत बढ़ाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अभियोजन पक्ष ने पर्याप्त कानूनी दलीलें पेश नहीं कीं। उन्होंने दोनों नेताओं की रिहाई की मांग की। मामला जंतर-मंतर पर कथित तौर पर बिना अनुमति प्रवेश करने से जुड़ा है। ममता बनर्जी ने अपनी पोस्ट में कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठाने वालों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान से टकराया पक्षी

सभी 148 यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विशाखापत्तनम से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स2065 पक्षी से टकरा गई। हालांकि, विमान ने मंगलवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरने में सफलता हासिल की। विमान में सवार सभी 148 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

लैंडिंग के बाद विमान को पार्किंग स्थल पर ले जाया गया। मानक सुरक्षा प्रक्रिया के तहत तकनीकी टीम ने विमान की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, ताकि उसके ढांचे और इंजन को हुए संभावित नुकसान का पता लगाया जा सके। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

इस बीच, पश्चिम एशिया में बदलते सुरक्षा हालात के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने सऊदी अरब के लिए कई उड़ानें अस्थायी रूप से रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रियाद, जेद्दा तथा दम्माम के लिए उड़ानों का निलंबन 20 अक्टूबर तक बढ़ाया है। इंडिगो ने इन शहरों के साथ मदीना के लिए भी 24 अक्टूबर तक उड़ानें रद्द की हैं। अकासा एयर ने रियाद के लिए 24 अक्टूबर और जेद्दा के लिए 21 अक्टूबर तक सेवाएं निलंबित रखी हैं।

22 अक्टूबर को रामपुर आएंगे अखिलेश यादव, आजम खान से जेल में करेंगे मुलाकात



रामपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 22 अक्टूबर को रामपुर आएंगे। इस दौरान वह जिला कारागार में बंद पूर्व मंत्री आजम खां से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा आजम खां के परिवार से भी मिलने का कार्यक्रम है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, अखिलेश यादव सुबह 11 बजे लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट से निजी विमान से रवाना होंगे। सुबह 11:45 बजे बरेली एयरपोर्ट पहुंचने के बाद 11:55 बजे हेलीकॉप्टर से रामपुर के लिए उड़ान भरेंगे। दोपहर 12:20 बजे जौहर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और वहां से कार द्वारा जिला कारागार जाएंगे। दोपहर 12:45 बजे आजम खां से मुलाकात करेंगे।

इसके बाद दोपहर 1:45 बजे वह जेल रोड स्थित आजम खां के आवास पहुंचकर उनके परिवार से मिलेंगे। दोपहर 2:30 बजे आवास से रवाना होकर जौहर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए बरेली के लिए रवाना हो जाएंगे।

कुछ दिन पहले आजम खां की पत्नी और पूर्व सांसद तजीन फातिमा ने लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। उस दौरान अखिलेश ने जल्द रामपुर आने का आश्वासन दिया था। सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर ने बताया कि दौरे की तैयारियां की जा रही हैं।

कोलकाता के बाजार में भीषण आग, 15 दुकानें जलकर खाक

कोलकाता, (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के बाघा जतिन इलाके के एक बाजार में मंगलवार तड़के भीषण आग लगने से करीब 15 दुकानें जलकर खाक हो गईं। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15 गाड़ियों को लगाया गया। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, आग मंगलवार सुबह करीब चार बजे पूजा सामग्री बेचने वाली एक दुकान में लगी थी। देखते ही देखते आग ने आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी और नेताजी नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल की गाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई।

दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे बाजार के दूसरे हिस्सों में फैलने से रोका। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। शुरूआती अनुमान में करीब 15 दुकानों के जलने की बात सामने आई है। नुकसान का वास्तविक आकलन जांच पूरी होने के बाद किया जाएगा।

आग के कारण गरिया और जादवपुर को जोड़ने वाली राजा एससी मल्लिक रोड पर यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में व्यापारी बाजार पहुंचे। त्योहार के समय दुकानों में आग लगने से व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। जादवपुर से भाजपा विधायक शरबरी मुखर्जी भी घटनास्थल पर पहुंचीं।



मणिपुर में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के 3 जवान घायल

गोलीबारी में तीन ग्रामीणों की मौत

इंफाल, (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में रविवार देर रात हुए आईईडी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, इंफाल पूर्व से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में तीन ग्रामीणों की मौत हो गई, चार लोग घायल हुए और तीन के लापता होने की सूचना है। पुलिस के अनुसार, विस्फोट सिंगजामेई थाने के पास ककवा लंदाईबंग लंपक इलाके में हुआ। घायल जवानों की पहचान सी. पूनमबलम (58), रमेश कुमार (57) और पबित्रा कुमार जेना (56) के रूप में हुई है। तीनों को इलाज के लिए इंफाल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक लहरी दोरजी ल्हाटू ने बताया कि पुलिस मामले में मिले सुरागों की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए शीतकालीन कार्ययोजना तैयार, 1 नवंबर से पाबंदियां लागू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सर्दियों में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए 1 नवंबर से 28 फरवरी तक शीतकालीन कार्ययोजना लागू करने की तैयारी की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके तहत वाहनों, निर्माण कार्यों और कार्यालयों से जुड़े कई उपायों की जानकारी दी है।

योजना के तहत वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) के बिना ईंधन नहीं देने की नीति लागू की जाएगी। दिल्ली के बाहर से आने वाले बीएस-6 से कम मानक वाले वाहनों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई है।



मुख्यमंत्री के अनुसार, निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर रोक, निर्माण स्थलों की कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए घर से काम करने की व्यवस्था जैसे उपाय भी शामिल हैं।

रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सरकार के साथ नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने इलेक्ट्रिक बसों, मेट्रो सेवाओं, अंतिम छोर तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा और साझा वाहन व्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि दिल्ली सर्दियों के प्रदूषण से निपटने के लिए समय रहते कदम उठा रही है। सरकार का उद्देश्य परिवहन और निर्माण गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण को कम करना तथा लोगों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने के प्रयासों को मजबूत करना है।

संक्षिप्त डायरी

टीम महानगर के साथ दुर्गा पूजा पंडालों में भाजपा अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने किया दर्शन पूजन

एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी शहर में जगह-जगह पर सजे हुए दुर्गा पूजा पंडालों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने टीम महानगर के साथ दर्शन पूजन किया। महानगर अध्यक्ष ने तीनों विधानसभाओं शहर दक्षिणी, शहर उत्तरी और कैंट के विभिन्न दुर्गा पंडालों में माँ दुर्गा के दर्शन कर विधि- विधान से पूजा-अर्चना की और जगत जननी से काशीवासियों के कल्याण, आरोग्यता और निरंतर प्रगति का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा माहौल जय माता दी और भक्तिमय जयकारों से गूँज उठा। पंडालों का भ्रमण करते हुए महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने कहा कि माता रानी की कृपा से काशी में नवरात्रि का यह पर्व पूर्णतः ऊर्जा, उल्लास और सामाजिक समरसता के साथ मनाया जा रहा है। दुर्गा पंडाल हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और आपसी भाईचारे के जीवंत केंद्र हैं। इन आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। सभी पंडाल समितियों और आयोजकों की व्यवस्था अच्छी है। भाजपा कार्यकर्ता हर कदम पर जनता के साथ हैं। प्रदीप अग्रहरि के साथ टीम महानगर में प्रमील पाण्डेय, अजय गुप्ता, अमित खरे, राकेश जायसवाल, जगन्नाथ ओझा, पंकज चतुर्वेदी, रचना अग्रवाल, अवनीश गुप्ता, गोपाल जायसवाल, नेहा कक्कड़, सुनील यादव, अशोक मौजूद रहे।

वाराणसी के चेतगंज में मां काली का महाष्टमी पूजन, हवन के साथ 51 कन्याओं की हुई पूजा

एजेंसी

वाराणसी। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर वाराणसी के चेतगंज स्थित बाग बरियार सिंह में श्री श्री 1008 मां काली मंदिर में महाष्टमी हवन-पूजन और कन्या पूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान 51 कन्याओं की विधिवत पूजा की गई। मंदिर परिसर में भैरवी चक्र और भंडारे का भी आयोजन हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान मां काली की आराधना से मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। महाष्टमी पर मां काली का हवन-पूजन चेतगंज के बाग बरियार सिंह स्थित मां काली मंदिर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शारदीय नवरात्र पर विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। महाष्टमी के अवसर पर मां काली की पूजा-अर्चना के साथ हवन संपन्न हुआ। इस दौरान देवी की आराधना कर सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की गई। मंदिर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान के अंतर्गत भैरवी चक्र का भी आयोजन किया गया। 51 कन्याओं का विधिवत पूजन मंदिर के महंत मनमोद पांडेय ने बताया कि श्री श्री 1008 मां काली मंदिर में नवरात्र के अवसर पर विशेष पूजा की परंपरा रही है। इसी क्रम में इस वर्ष भी महाष्टमी पर हवन-पूजन के साथ 51 कन्याओं की पूजा की गई। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी मां काली की आराधना के लिए धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। हिंदू धार्मिक परंपरा में कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनकी पूजा की जाती है। नवरात्र के दौरान कन्या पूजन का विशेष महत्व माना गया है। भैरवी चक्र और भंडारे का आयोजन महाष्टमी पूजन के अवसर पर मंदिर परिसर में भैरवी चक्र का आयोजन किया गया। इसके साथ ही भंडारे की व्यवस्था भी की गई। आयोजन में रवि पांडेय, शशि पांडेय, नापु पांडेय, दुर्गा प्रसाद अग्रहरि और सुमेश पांडेय सहित अन्य लोगों की सहभागिता रही। मंदिर महंत मनमोद पांडेय ने बताया कि शारदीय नवरात्र पर मां काली की विशेष आराधना, हवन और कन्या पूजन की परंपरा को इस वर्ष भी श्रद्धापूर्वक निभाया गया।

सड़कों की मरम्मत और सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, समय से पूरे हों विकास कार्य : जिलाधिकारी

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में सड़क मरम्मत, स्वच्छता और विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा कराया जाए। जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। यह निर्देश रविवार देर रात निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी, नगर आयुक्त और मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को दिए। अधिकारियों ने शहर के विभिन्न मार्गों, निर्माण कार्यों और स्वच्छता व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान परेड मार्ग पर सीएम ग्रिड योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई। जंक्शन पॉइंट की समस्याओं का निस्तारण कर मार्ग को प्राथमिकता के आधार पर चलने योग्य बनाने और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। फुटपाथ पर स्ट्रीट वेंडिंग योजना के तहत अधिकृत विक्रेताओं के लिए व्यवस्थित स्थान तय करने की कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा गया, ताकि अनधिकृत कब्जों और राजस्व की क्षति को रोका जा सके। टेफको के निकट मुख्य मार्ग पर स्थित कूड़ा संवेदनशील स्थल का निरीक्षण कर जिलाधिकारी ने गमले लगवाने और स्थल का सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्य मार्ग पर कूड़ा एकत्र न होने देने और नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा। स्वरूप नगर स्थित राजीव पेट्रोल पंप के पास नगर निगम की ओर से कराए जा रहे पैचवर्क का निरीक्षण किया गया। सड़क क्षतिग्रस्त मिलने और चौराहे पर गड्ढे पाए जाने पर तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए। अधिशासी अभियंता मीनाक्षी अग्रवाल ने करीब 180 मीटर पैचवर्क प्रस्तावित होने की जानकारी दी। अधिकारियों को अस्थायी अतिक्रमण और अवैध होर्डिंग हटाने के साथ चौराहे का सौंदर्यीकरण कराने को कहा गया। कंपनी बाग चौराहे से चिड़ियाघर की ओर जाने वाले करीब 5.1 किलोमीटर मार्ग को पूरी तरह चलने योग्य बनाने के निर्देश दिए गए। इसके लिए लोक निर्माण विभाग को जल निगम, मेट्रो, नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। इसके बाद लोक निर्माण विभाग की ओर से कराए गए पैचवर्क वाले मार्ग का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना बजरिया के निकट वार्ड संख्या-3, चुन्नीगंज में लोक निर्माण विभाग की ओर से कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य का जायजा लिया गया। सड़क की एक तरफ का निर्माण पूरा मिला। अधिकारियों को शेष कार्य निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता के साथ पूरा कराने और नगर निगम से समन्वय स्थापित कर अभियान चलाकर अस्थायी अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए।

75 फीट का रावण का पुतला बनाकर हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल पेश कर रहा सुब्बन खां का परिवार

एजेंसी

जौनपुर: भारत की असली खूबसूरती इसकी विविधता और उस विविधता में पिरोयी गई साझा संस्कृति में बसती है। उत्तर प्रदेश की पावन धरती हमेशा से अपनी 'गंगा-जमुनी तहजीब' और आपसी भाईचारे के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। राज्य के जौनपुर जिले के शाहगंज तहसील के अंतर्गत आने वाली भादी ग्रामसभा से एक ऐसी प्रेरणादायक और दिल को छू लेने वाली दास्तान सामने आई है, जो देश के साम्प्रदायिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता पर मुहर लगाती है। यहां रहने वाले सुब्बन खां का परिवार पिछले कई दशकों से अपनी बेजोड़ कला और मेहनत के जरिए हिंदू-मुस्लिम एकता की एक ऐसी अमिट मिसाल पेश कर रहा है, जिसे देखकर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। सुब्बन खां का परिवार पीढ़ियों से दशहरे के पावन पर्व पर बुराई के प्रतीक रावण का विशाल पुतला



बनाने की परंपरा को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहा है। इस वर्ष भी 65 वर्षीय अनुभवी कारीगर सुब्बन खां अपनी कला के जौहर दिखाते हुए 75 फीट ऊंचे भव्य रावण के पुतले को अंतिम रूप देने में जी-जान से जुटे हुए हैं। उनके इस कार्य ने यह साबित कर दिया है कि सच्ची कला और संस्कृति की कोई मजहबी सरहद नहीं होती, बल्कि वे दिलों को जोड़ने का सबसे मजबूत जरिया होती हैं। तीन पीढ़ियों से चली आ रही है विरासत, दादा से शुरू हुआ सफर सुब्बन खां के जीवन का यह सफर केवल एक साधारण पेशे की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक विरासत है जो पीढ़ियों से उनके खून में रची-बसी है। मीडिया और स्थानीय लोगों से साझा करते हुए सुब्बन खां बताते हैं कि उनके परिवार में रावण का पुतला बनाने की इस अनूठी परंपरा की शुरूआत उनके दादाजी ने की थी। उनके दादा ने जिस नींव को रखा था, उसे उनके पिता ने पूरी ईमानदारी और लगन के साथ आगे बढ़ाया। अब वर्तमान में सुब्बन खां इस पारिवारिक विरासत को अपने मजबूत कंधों पर संभाले हुए हैं। सुब्बन खां का मानना है कि यह काम उनके लिए केवल दो वक्त की रोटी कमाने या आजीविका का साधन मात्र नहीं है, बल्कि यह उनके लिए पुरखों की उस वर्षों पुरानी सांस्कृतिक परंपरा को जीवित रखने का एक पवित्र जरिया है। भले ही वे इस्लाम धर्म के अनुयायी हैं, लेकिन सनातन संस्कृति के एक सबसे बड़े पर्व यानी विजय दशमी के मुख्य आकर्षण–रावण दहन–के लिए पुतले का निर्माण करना उनके लिए उतनी ही श्रद्धा और जिम्मेदारी का काम है, जितना किसी भी अन्य कलाकार के लिए होता है। उनकी यह प्रतिबद्धता समाज में नफरत की दीवारों को गिराकर प्रेम और सौहार्द का संदेश देती है। बांस, खप्पची और पुआल से तैयार हो रहा है 75 फीट का भव्य पुतला इस वर्ष दशहरे के पावन अवसर पर शाहगंज में जलाए जाने वाले 75 फीट ऊंचे रावण के पुतले को तैयार करना कोई आसान काम नहीं है। इस विशालकाय ढांचे को खड़ा करने में बांस, खप्पची, पुआल, रंग-बिरंगे कागजों और अन्य पारंपरिक सामग्रियों का बारीकी से इस्तेमाल किया जा रहा है। हां सुब्बन खां का वर्षों का लंबा अनुभव, उनकी पैनी नजर और उनकी हुनरमंद कारीगरी काम आ रही है। बांस की तीलियों को छीलने से लेकर रावण के शरीर के विभिन्न अंगों (धड़, सिर, मुकुट और हाथों) को आकार देने तक, हर एक प्रक्रिया में उनकी कलात्मक कुशलता साफ झलकित होती है। उनके हाथों से गढ़ा गया यह रावण जब दशहरा मैदान में खड़ा होता है, तो हर देखने वाला कारीगर की तारीफ किए बिना नहीं रह पाता। रावण दहन ही नहीं, ऐतिहासिक 'भरत मिलाप' की लागों को भी दे चुके हैं आकार सुब्बन खां की कला का दायरा सिर्फ रावण का पुतला बनाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनकी कारीगरी का दायरा इससे कहीं अधिक विस्तृत और सम्मानित है। शाहगंज का ऐतिहासिक 'भरत मिलाप' महोत्सव पूरे क्षेत्र में अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध है। इस पारंपरिक और भव्य आयोजन में निकलने वाली सुंदर 'लागों' (झांकियों और कलाकृतियों) का निर्माण भी सुब्बन खां अपने हाथों से कर चुके हैं। भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने और भरत से मिलन के इस भावनात्मक प्रसंग को जीवंत करने वाली उनकी बनाई गई लागों को स्थानीय स्तर पर कई बार प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है। स्थानीय धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी यह सक्रिय भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि वे क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर के एक अहम स्तंभ हैं। शाहगंज के लोग उनकी कला का सम्मान करते हैं और उनकी इस निष्ठा को पूरे इलाके में एक मिसाल के तौर पर देखा जाता है।

साजन तिराहे पर बेकाबू कार पलटी, चालक घायल, मची अफरातफरी



एजेंसी

वाराणसी। शहर के साजन तिराहे पर सोमवार सुबह तेज रफ्तार ग्रैंड विटारा कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में कार चालक घायल हो गया। उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत गंभीर नहीं है। राहत की बात रही कि हादसे में किसी अन्य व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। सोमवार सुबह ग्रैंड विटारा कार साजन तिराहे से गुजर रही थी। इसी दौरान कार अनियंत्रित हो गई और सड़क पर पलट गई। हादसा इतना जोरदार था कि कार पूरी तरह उलट गई। दुर्घटनाग्रस्त वाहन का पंजीकरण नंबर बताया जा रहा है। अचानक हुए हादसे को देखकर आसपास मौजूद लोग मौके पर जुट गए। हादसे के बाद जुटी भीड़ कार पलटने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। कुछ लोग घायल चालक की मदद के लिए आगे आए, जबकि कई लोग मोबाइल से हादसे का वीडियो बनाने और तस्वीरें खींचने लगे। दुर्घटना के कारण कुछ देर तक मौके पर हलचल बनी रही। बाद में क्रेन की मदद से पलटी हुई कार को सीधा कराया गया और सड़क से हटाया गया। कार अनियंत्रित होने की वजह स्पष्ट नहीं हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। शुरूआती जानकारी में तेज रफ्तार के दौरान कार अनियंत्रित होने की बात सामने आई है।

नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में सीएसजेएमयू को मिली चार स्टार रेटिंग : प्रो. विनय पाठक

एजेंसी

कानपुर। नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता को बढ़ावा देना उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थियों को नए विचारों पर काम करने, समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने और स्टार्टअप के लिए प्रेरित करने की दिशा में विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों से मिली उपलब्धि भविष्य में भी बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। यह बातें रविवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने विश्वविद्यालय को चार स्टार रेटिंग मिलने पर कही। विश्वविद्यालय को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए



पांच में से चार स्टार रेटिंग प्रदान की है। मूल्यांकन में विश्वविद्यालय ने 100 में से 79.38 अंक हासिल किए। इससे नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। विश्वविद्यालय की प्रदर्शन रिपोर्ट के अनुसार, सत्र के दौरान कुल 93 गतिविधियां प्रस्तुत की गई थीं, जिनमें से 90 को स्वीकृति मिली। मूल्यांकन में गतिविधियों के प्रदर्शन को 80 प्रतिशत और सहभागिता को 20 प्रतिशत भार दिया गया था। गतिविधि प्रदर्शन में 74.67 अंक और सहभागिता में 4.71 अंक मिले। दोनों को मिलाकर विश्वविद्यालय का कुल स्कोर 79.38 रहा। शिक्षा मंत्रालय का इनोवेशन सेल उच्च शिक्षण संस्थानों में संचालित इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल की गतिविधियों का आकलन करता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों में रचनात्मक सोच, उद्यमशीलता, स्टार्टअप संस्कृति और व्यावहारिक समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता विकसित करना है। विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस उपलब्धि में शिक्षकों, विद्यार्थियों, छात्र समन्वयकों और इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल की भूमिका रही। विश्वविद्यालय ने आगे भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बौद्धिक संपदा अधिकार, उद्योग-अकादमिक सहयोग और नवाचार के क्षेत्र में प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई है।

शारदीय नवरात्र की नवमी पर काशी में मां सिद्धिदात्री की आराधना, गोलघर की सिद्धमाता गली में विराजती हैं देवी

एजेंसी

वाराणसी। शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर मां दुर्गा के नौवें स्वरूप भगवती सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां सिद्धिदात्री सभी प्रकार की सिद्धियों को प्रदान करने वाली देवी हैं। काशी में मां सिद्धिदात्री का मंदिर गोलघर स्थित सिद्धमाता गली में है। यहां देवी के दर्शन और आराधना की प्राचीन परंपरा है। मान्यता है कि श्रद्धा और विश्वास के साथ मां सिद्धिदात्री की उपासना करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। आठ सिद्धियों की प्रदात्री हैं मां सिद्धिदात्री नवरात्र के नौवें दिन मां दुर्गा के सिद्धिदात्री स्वरूप की आराधना की जाती है। भगवती सिद्धिदात्री को महादुर्गा की नौवीं शक्ति माना गया है। मार्कण्डेय पुराण में आठ प्रमुख सिद्धियों का वर्णन मिलता है। इनमें अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईषित्व और वशित्व शामिल हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां सिद्धिदात्री इन आठों सिद्धियों को प्रदान करने वाली देवी हैं। इसी कारण देवी के इस स्वरूप को सिद्धिदात्री कहा जाता है। मां सिद्धिदात्री की उपासना से भगवान शिव को मिला अर्धनारीश्वर स्वरूप देवी भागवत पुराण से जुड़ी मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव ने शक्ति स्वरूपा मां सिद्धिदात्री की आराधना करके सभी सिद्धियां प्राप्त की थीं। कथा के अनुसार, देवी की कृपा से भगवान शिव के शरीर का आधा भाग स्त्री स्वरूप में परिवर्तित हो गया। भगवान शिव के इसी स्वरूप को अर्धनारीश्वर कहा जाता है। अर्धनारीश्वर स्वरूप शिव और शक्ति की एकात्मकता का प्रतीक माना जाता है। तांत्रिक साधना परंपरा में भी इस स्वरूप की उपासना का विशेष महत्व बताया गया है। सिंहवाहिनी और चतुर्भुजा स्वरूप में पूजी जाती हैं देवी मां सिद्धिदात्री को सिंहवाहिनी और चतुर्भुजा देवी के रूप में वर्णित किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि भगवती का यह स्वरूप भक्तों को सुख, शांति और सिद्धियां प्रदान करने वाला है। नवरात्र की नवमी पर देवी के इस स्वरूप की विशेष पूजा की जाती है। श्रद्धालु मां सिद्धिदात्री की आराधना कर जीवन में सुख-समृद्धि, सफलता और कल्याण की कामना करते हैं। मान्यता है कि देवी की उपासना से साधक को आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है और उसकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। गोलघर की सिद्धमाता गली में स्थित है मां सिद्धिदात्री का मंदिर धार्मिक नगरी काशी में मां सिद्धिदात्री का मंदिर गोलघर क्षेत्र की सिद्धमाता गली में स्थित है। यह मंदिर देवी के नौवें स्वरूप की आराधना से जुड़ा आस्था का केंद्र है। नवरात्र की नवमी तिथि पर मां सिद्धिदात्री की पूजा का विशेष विधान है। श्रद्धालु देवी के इस स्वरूप की उपासना कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की प्रार्थना करते हैं। काशी की शक्ति आराधना परंपरा में मां सिद्धिदात्री का विशेष स्थान है। नवरात्र के अंतिम दिन देवी के इस स्वरूप की पूजा के साथ नवदुर्गा आराधना का क्रम पूर्ण होता है।

हाथरस में धूमधाम से निकाली गई भगवान परशुराम शोभायात्रा

एजेंसी

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस स्थित सादाबाद,कस्बे में रविवार रात विप्र शिरोमणि भगवान श्री परशुराम की भव्य शोभायात्रा धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। नामचीन बैंडों की मधुर धुनों और डेढ़ दर्जन आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। शोभायात्रा में प्रदेश के खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज कुमार पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया। रोशनलाल कॉलेज में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि जब-जब समाज में अन्याय सामने आएगा, तब-तब न्याय के प्रतीक के रूप में भगवान परशुराम का जन्म होता रहेगा। विप्र समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। इस समाज ने ऋषि-मुनि और शिक्षक बनकर केवल देश ही नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में भी ब्राह्मण समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा। 1857 की क्रांति का बिगुल फूंकने वाले मंगल पांडेय से लेकर चंद्रशेखर आजाद और बटुकेश्वर दत्त जैसे क्रांतिकारियों ने देश के लिए बलिदान दिया। ब्राह्मण समाज ने कभी जाति के आधार पर भेदभाव नहीं किया। जन्म से मृत्यु तक प्रत्येक संस्कार में समाज के साथ खड़ा रहा है। उन्होंने ब्राह्मणवाद का विरोध करने वालों पर भी निशाना साधा और समाज के लोगों से विचलित नहीं होने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भगवान परशुराम और गौतम ऋषि के स्वरूपों की आरती उतारी गई। इसके बाद कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पांडेय



और जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा उपाध्याय ने फीता काटकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। दक्षिण भारत के कलाकारों की आधा दर्जन रोड शो झांकियां विशेष आकर्षण रहीं। शोभायात्रा समिति अध्यक्ष जीतू गौतम और उनकी टीम ने अतिथियों का पटका एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। कैबिनेट मंत्री को स्मृति चिह्न भेंट किया गया। शोभायात्रा रोशनलाल कॉलेज से जवाहर बाजार, चौक बाजार और रोडवेज बस स्टैंड होते हुए हाथरस रोड स्थित कृष्णा गार्डन पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान अलीगढ़ सांसद सतीश गौतम, डॉ. अविन शर्मा, भाजपा नेता धर्मेंद्र गौतम, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विनोद उपाध्याय, रामेश्वर उपाध्याय, शैलेंद्र शर्मा, राजेश गौतम, सुदामा दीक्षित और विपिन लवानिया सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

वाराणसी में भीषण सड़क हादसा : ट्रक ने स्कार्पियो में मारी टक्कर, चार की मौत

एजेंसी

वाराणसी। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के रूपापुर ओवरब्रिज पर सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। प्रयागराज की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे बेकाबू ट्रक ने पीछे से खड़ी स्कॉर्पियो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के समय स्कॉर्पियो सवार लोग ओवरब्रिज पर उतरकर सेल्फी ले रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्कॉर्पियो (यूपी 65 ईबी 2199) में आठ लोग सवार थे। सभी विंध्याचल में दर्शन करने के बाद वाराणसी लौट रहे थे। सोमवार सुबह करीब छह बजे वे मिजार्मुराद क्षेत्र के रूपापुर ओवरब्रिज पर पहुंचे। यहां वाहन रोकने के बाद सभी लोग नीचे उतरकर सेल्फी लेने लगे। इसी दौरान प्रयागराज की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से स्कॉर्पियो में टक्कर मार दी। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार के बीच मौके पर पहुंची पुलिस टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। क्षतिग्रस्त वाहन और घायलों को देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही मिजार्मुराद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से स्कॉर्पियो में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस से घायलों को उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में मृतकों की शिनाख्त प्रदीप सिंह, आनंद यादव, विद्यांशु यादव और आलोक मिश्रा के रूप में हुई।

प्राकृतिक चिकित्सा और योग से बेहतर जीवनशैली को मिलेगा बढ़ावा : डॉ. एसएन पांडेय

एजेंसी

कानपुर। प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आयुर्वेद के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक करना जरूरी है। मानसिक संतुलन, नियमित दिनचर्या और प्रकृति के साथ जुड़ाव बेहतर जीवन जीने में सहायक हो सकते हैं। यह बातें रविवार को बिठूर स्थित आरोहम् हैप्पीनेस होम में रविवार को आरोहम् वेलनेस सेंटर के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि डॉ. एसएन पांडेय ने यह बातें कहीं। वेलनेस सेंटर का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान चिकित्सा, योग और आयुर्वेद से जुड़े विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य संवर्धन, मानसिक शांति और प्राकृतिक जीवनशैली के महत्व पर विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए नियमित योगाभ्यास, संतुलित खानपान और अनुशासित दिनचर्या



को बढ़ावा देना जरूरी है। नीमा उत्तर प्रदेश वीमेंस फोरम की अध्यक्ष और वरिष्ठ आयुवेर्दाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में सकारात्मक जीवनशैली और स्वास्थ्य के प्रति सजगता की अहम भूमिका है। वरिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. एसएन पाठक ने प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आयुर्वेद को शरीर और मन के स्वास्थ्य से जुड़ा बताते हुए नियमित अभ्यास पर जोर दिया। इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनंत बिरादार ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा और योग को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव और इंडियन नेचुरोपैथी एंड योग ग्रेजुएट्स मेडिकल एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजेश कुमार सिंह ने भी योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की बात कही। आरोहम् हैप्पीनेस होम के संस्थापक डॉ. उमेश पालीवाल ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान और स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। वेलनेस सेंटर इसी सोच का विस्तार है, जहां स्वास्थ्य और मानसिक शांति को प्राथमिकता दी जाएगी। परिसर में देश के विभिन्न शहरों से आए वरिष्ठ नागरिक रहते हैं। गंगा के निकट हरियाली और शांत वातावरण इसकी विशेषता है। संस्थापक मुकेश पालीवाल ने बताया कि केंद्र में प्राकृतिक चिकित्सा, योग, पंचकर्म, होम्योपैथी और आयुर्वेद सहित विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से किफायती दरों पर उपचार की सुविधा मिलेगी। लोग बाह्य रोगी के रूप में उपचार करा सकेंगे और पांच दिन से एक माह तक परिसर में रहकर भी स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे।

नीट की तैयारी कर रहे छात्र की मौत, पंखे से लटकता मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी

वाराणसी । लंका थाना क्षेत्र के छित्तूपुर स्थित लॉज में रविवार शाम नीट की तैयारी कर रहे एक छात्र का शव कमरे में पंखे से लटकता मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मिजार्पुर जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के कोटवा निवासी विनोद पटेल (22) पुत्र बुधीराम पटेल के रूप में हुई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल छात्र की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार, रविवार की शाम करीब सात बजे सूचना मिली कि छित्तूपुर स्थित बच्चा लॉज में एक छात्र ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही लंका थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहां छात्र के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। खिड़की से देखने पर युवक पंखे से लटकता दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। घटना की जानकारी आसपास के लोगों को हुई तो मौके पर भीड़ जुट गई। वाराणसी में रहकर कर रहा था नीट की तैयारी पुलिस की पूछताछ में मृतक की पहचान विनोद पटेल के रूप में हुई। वह मिजार्पुर जिले का निवासी था और वाराणसी में रहकर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहा था। इसके लिए वह छित्तूपुर स्थित बच्चा लॉज में रह रहा था। छात्र की मौत की खबर मिलने के बाद उसके परिचितों और आसपास के लोगों में शोक और चर्चा का माहौल रहा। परिजनों को दी सूचना, जांच में जुटी पुलिस पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की। वहीं, मृतक के परिजनों को भी सूचना दे दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एमपी के दो कलाकारों को राष्ट्रीय सम्मान

भोपाल की निधि चोपड़ा को ललित कला अकादमी पुरस्कार रविंद्र रॉय की 'ऑपरेशन सिंदूर' को ग्रैंड प्राइज



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश के दो कलाकारों ने राष्ट्रीय कला मंच पर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। भोपाल में रहकर कला साधना कर रहीं निधि चोपड़ा को 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में राष्ट्रीय ललित कला अकादमी पुरस्कार मिला है। वहीं, मध्यप्रदेश के रविंद्र रॉय की कलाकृति 'ऑपरेशन सिंदूर' को थर्ड प्रिंट बिनाले इंडिया-2026 में ग्रैंड प्राइज से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और संस्कृति मंत्रालय के अधिकारी भी मौजूद रहे। निधि चोपड़ा को उनकी सिरेमिक मूर्तिकला 'टैंजिबल ड्रीम्स' के लिए मूर्तिकला श्रेणी में पुरस्कार दिया गया। वहीं, रविंद्र रॉय की 'ऑपरेशन सिंदूर' ने प्रिंट बिनाले में ग्रैंड प्राइज हासिल किया। मध्यप्रदेश से जुड़ी इन दो उपलब्धियों ने समकालीन कला के क्षेत्र में प्रदेश की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। निधि चोपड़ा नई दिल्ली में जन्मी मूर्तिकार हैं और वर्तमान में भोपाल में रहकर काम करती हैं। उन्होंने जयपुर से मूर्तिकला में ललित कला स्नातक की पढ़ाई की है। उनकी कला में स्मृतियों और पहचान जैसे विषय प्रमुखता से उभरते हैं। वह सिरेमिक और मूर्तिकला के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनकी कलाकृतियां ललित कला अकादमी और भारत भवन बिएनाले जैसे कला मंचों पर प्रदर्शित हो चुकी हैं। निधि ने 2004 में ललित कला अकादमी के अंतरराष्ट्रीय सिरेमिक शिविर, 2006 में जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन के सिरेमिक शिविर और 2010 में राष्ट्रीय टेराकोटा शिविर में भाग लिया। वर्ष 2015 में वह भारत-दक्षिण कोरिया सिरेमिक शिविर से जुड़ीं। वर्ष 2024 में चीन के लोंगक्वान में सिरेमिक रेजिडेंसी और 2025 में भोपाल के भारत भवन में आयोजित राष्ट्रीय सिरेमिक शिविर में भी उन्होंने भागीदारी की। मध्यप्रदेश के विभिन्न कला महाविद्यालयों में वह व्याख्यान भी दे चुकी हैं। राष्ट्रीय ललित कला अकादमी पुरस्कार उनकी कला यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मध्यप्रदेश के रविंद्र रॉय की कलाकृति 'ऑपरेशन सिंदूर' को थर्ड प्रिंट बिनाले इंडिया-2026 में ग्रैंड प्राइज दिया गया। यह सम्मान प्रिंट मेकिंग यानी छापांकन की कला विधा से जुड़ी प्रतियोगिता में मिला है। इस उपलब्धि के साथ रॉय की कलाकृति को राष्ट्रीय कला मंच पर विशेष पहचान मिली है। प्रिंट मेकिंग में किसी सतह या प्लेट पर छवि तैयार कर उसे कागज अथवा दूसरे माध्यम पर छापने की तकनीक अपनाई जाती है। कलाकार इस विधा में रेखाओं, रंगों और सतह की बनावट के जरिए अपनी अभिव्यक्ति प्रस्तुत करते हैं। रविंद्र रॉय की उपलब्धि इसलिए भी उल्लेखनीय है कि उनकी कलाकृति को अंतरराष्ट्रीय भागीदारी वाले आयोजन में ग्रैंड प्राइज मिला है। 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के लिए 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से करीब 2,495 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। इनमें 6,175 से अधिक कलाकृतियां नामांकन के लिए प्रस्तुत की गईं। दो चरणों की निर्णायक प्रक्रिया के बाद 270 उत्कृष्ट कलाकृतियों का चयन किया गया। इनमें से 20 कलाकारों को राष्ट्रीय ललित कला अकादमी पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रदर्शनी में मूर्तिकला, चित्रकला, रेखांकन, प्रिंट मेकिंग और अन्य माध्यमों की कलाकृतियों को स्थान मिला। निधि चोपड़ा की 'टैंजिबल ड्रीम्स' सिरेमिक माध्यम से बनी मूर्तिकला है। यह प्रदर्शनी देशभर के कलाकारों को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने और राष्ट्रीय पहचान हासिल करने का मंच प्रदान करती है। थर्ड प्रिंट बिनाले इंडिया-2026 में भारतीय कलाकारों के साथ विदेशी कलाकारों की कलाकृतियां भी शामिल की गईं। समारोह में ग्रैंड प्राइज के अलावा तीन विशेष उल्लेख सम्मान भी प्रदान किए गए। मध्यप्रदेश के रविंद्र रॉय को 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए ग्रैंड प्राइज मिला। अन्य कलाकारों को उनकी अलग-अलग कलाकृतियों और कला तकनीकों के लिए सम्मानित किया गया। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि किसी कलाकृति के पीछे केवल रंग, रेखाएं और तकनीक नहीं होती, बल्कि कलाकार की संवेदना, विचार और वर्षों की साधना भी होती है। कला समाज के सवालों को अभिव्यक्त करने के साथ दुनिया को नए दृष्टिकोण से देखने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय कला जगत और कला संग्राहकों से जोड़ने के प्रयास कर रही है, ताकि कलाकारों को उचित पहचान के साथ आर्थिक अवसर भी मिल सकें। मंत्री ने भारतीय कला परंपरा को आगे बढ़ाने और नई पीढ़ी को कला साधना से जोड़ने की जरूरत पर भी जोर दिया। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में देशभर के कलाकारों को सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश के लिए यह आयोजन खास रहा, क्योंकि भोपाल की निधि चोपड़ा को राष्ट्रीय कला पुरस्कार और रविंद्र रॉय की 'ऑपरेशन सिंदूर' को प्रिंट बिनाले का ग्रैंड प्राइज मिला।

'समय-सीमा में पूर्ण हो आशिमा मॉल फ्लाईओवर का निर्माण कार्य': राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि आशिमा मॉल से बावड़िया गांव होते हुए सेज अपोलो अस्पताल के समीप नर्मदापुरम मार्ग को जोड़ने वाला प्रस्तावित फ्लाईओवर बनेगा। जो क्षेत्र की आबादी के सुगम आवागमन के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध होगा। अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्य में गति लाएं तथा कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न करें। यह निर्देश पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने बुधवार को अपने निवास कार्यालय ÷समाधान÷ में आयोजित समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने होशंगाबाद मार्ग स्थित आशिमा मॉल फ्लाईओवर के निर्माण में हो रहे विलंब पर गहरी अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में यातायात के दबाव को कम करने और आमजन की सुविधा के उद्देश्य से इस परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। समीक्षा बैठक में जानकारी दी गई कि प्रस्तावित फ्लाईओवर की कुल लंबाई लगभग 1,183 मीटर होगी। इसमें 733 मीटर मुख्य ब्रिज स्ट्रक्चर तथा दोनों ओर लगभग 400 मीटर लंबी एप्रोच एवं सर्विस रोड का निर्माण शामिल है।



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

5 दिन में 15 लोगों को काटा

भोपाल में कुत्ते ने बच्चे को घर में घुसकर नोंचा 8 साल के इब्राहिम के चेहरे की सर्जरी हुई

भोपाल के शाहजहांनाबाद स्थित नूर महल लाल मस्जिद रोड पर आवारा कुत्तों ने 8 साल के बच्चे का मुंह नोंच लिया। इससे उसकी सर्जरी करना पड़ी। बच्चा पिछले 5 दिनों से हमीदिया अस्पताल में भर्ती है। वार्ड-9 के लाल मस्जिद रोड पर पिछले 5 दिनों में कुत्ते 15 से ज्यादा लोगों को शिकार बना चुके हैं। इनमें आठ वर्षीय इब्राहिम भी शामिल हैं। 16 अक्टूबर को एक आवारा कुत्ते ने इब्राहिम को घर में घुसकर काट लिया था। इसके बाद उसके चेहरे पर गंभीर घाव हो गए थे। आनन-फानन में परिजन उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसकी सर्जरी की गई। मामा फैजान ने बताया कि कुत्ते ने इब्राहिम के चेहरे पर चार जगह पर काट लिया। इसके बाद उसकी सर्जरी की गई। पांच दिन से गंभीर हालत में बच्चा परिजनों ने बताया कि पांच दिन से बच्चे की हालत गंभीर है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामा फैजान ने बताया, डॉक्टरों ने कहा है कि इस सर्जरी से इब्राहिम ठीक हो जाएगा। यदि नहीं होता है तो दोबारा सर्जरी करना पड़ेगी। रहवासी मोहम्मद अली ने बताया कि इलाके में कुत्तों से बहुत परेशानी है। सुबह नमाज के लिए जब घर से मस्जिद जाते हैं तो कुत्ते पीछे पड़ जाते हैं। इससे बार-बार बचकर निकलना पड़ता है। शिकायत करने के बाद भी कुत्तों को नहीं हटाया गया है। वासिद खान ने बताया कि बच्चों के स्कूल आने-जाने में परेशानी हो रही है। नगर निगम को यहां से कुत्तों को हटाना चाहिए। झुंड में 50 से ज्यादा कुत्ते रहवासी इब्राहिम अली दाऊदी ने बताया कि इलाके में कई आवारा कुत्तों का झुंड घूम रहा है। इनकी संख्या 50 से ज्यादा है। इलाके में घूमने वाले डॉग्स अबतक करीब 15 लोगों को निशाना बना चुके हैं। इलाके के लोगों ने उत्तर विधायक आतिफ अकील के साथ वार्ड के पार्षद और निगम अधिकारियों से शिकायत की। जिसमें आवारा कुत्तों को पकड़कर बाहर करने की मांग की है। ताकि, इनके आतंक से लोगों की परेशानी न बढ़े। प्रति डॉग पर 1100 रुपए खर्च करता है नगर निगम भोपाल में अनुमानित सवा लाख स्ट्रीट डॉग्स हैं। जिनकी नसबंदी पर हर साल 3 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए जाते हैं। इस वित्तीय वर्ष में 3.30 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। प्रति डॉग पर 1100 रुपए खर्च किए जाने के बावजूद इनकी संख्या बढ़ रही है। नगर निगम के रिकॉर्ड के मुताबिक, 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच कुल 25,214 कुत्तों की नसबंदी की गई। तीन एबीसी सेंटरों में 5 दिन तक रखने और ऑपरेशन करने के बाद आवारा कुत्तों को उसी जगह छोड़ दिया जाता है, जहां से उन्हें पकड़ा गया।



एमपी में वायरल फीवर के रोजाना 3 हजार मरीज:इंस्टेंट रिलीफ के लिए खुद ही खा रहे एंटीबायोटिक, पड़ रहा किडनी पर भारी

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल में ही जेपी, हमीदिया और जिला अस्पतालों के साथ निजी क्लिनिकों में सर्दी-जुकाम व वायरल फीवर के करीब 600 मरीज रोज पहुंच रहे हैं। इंदौर में 500, जबलपुर में 500, ग्वालियर में 200, उज्जैन में 150 मरीज वायरल फीवर से



पीड़ित हैं। इस तरह एमपी में अनुमानित 3 हजार मरीज रोजाना वायरल फीवर के आ रहे हैं। ऐसे में कई मरीज तुरंत राहत पाने के लिए डॉक्टर के पास जाने के बजाय खुद ही पेनकिलर और एंटीबायोटिक ले रहे हैं। यही लापरवाही कुछ मामलों में गंभीर परेशानी की वजह बन रही है। एमपी में बढ़ते वायरल फीवर ने चिंता और भी बढ़ा दी है। दर्द और बुखार में खुद से दवा लेने की यह आदत इसलिए भी चिंता बढ़ाती है, क्योंकि पेनकिलर की कुछ दवाएं किडनी पर असर डाल सकती हैं और एंटीबायोटिक का अनावश्यक इस्तेमाल भविष्य में बैक्टीरियल संक्रमण का इलाज मुश्किल बना सकता है। एमबीबीएस, एमडी और एफआईसीडी डॉ. समन ताहिर के मुताबिक, उनके पास आने वाले करीब 50 प्रतिशत मरीज डॉक्टर से मिलने से पहले खुद दवाएं ले चुके होते हैं। उनका कहना है कि कई बार मरीज को लक्षणों से राहत मिल जाती है, लेकिन गलत दवा, अनुचित डोज या लंबे समय तक इस्तेमाल से नुकसान का जोखिम बढ़ सकता है। डॉ. ताहिर के अनुसार, उनके क्लिनिकल अनुभव में ऐसे मरीजों में करीब 60-70 प्रतिशत को किसी न किसी तरह की दवा संबंधी क्षति या जटिलता के साथ देखा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनके पास आने वाले मरीजों का अनुभव है।

राज्यपाल ने किया 77वें टी.बी. सील अभियान का शुभारंभ

टी.बी. उन्मूलन प्रयासों के साथ नशा मुक्त भारत अभियान को भी जोड़े : राज्यपाल पटेल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। यह स्वस्थ भारत-सशक्त भारत और विकसित भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि टी.बी. उन्मूलन प्रयासों के साथ नशा मुक्त भारत अभियान को भी जोड़ा जाना चाहिए। इन प्रयासों में नशे के मरीजों, विशेषकर युवाओं और बच्चों को नशे के आर्थिक, सामाजिक, मानसिक दुष्प्रभावों के विभिन्न आयामों के प्रति जागरूक करें। राज्यपाल श्री पटेल ने सभी माता-पिता का आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को नशे से दूर रहने के संस्कार घर से ही प्रदान करें। उन्हें संयमित जीवन, पौष्टिक आहार और समुचित उपचार का व्यावहारिक महत्व समझाए। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को एम.पी. स्टेट टी.बी. एसोसिएशन के 77वें टी.बी. सील अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अभियान के सहयोग के लिए 11 हजार रूपए की सहायता राशि प्रदान की। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे।



राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि टी.बी. मुक्त भारत अभियन में मरीजों की जॉच, उपचार और निगरानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक रोगी तक सही जानकारी, दवाईयॉ और पौष्टिक आहार की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि टी.बी. रोगियों को सकारात्मक विचारों और अनुशासित जीवन शैली के प्रति विशेष रूप से जागरूक बनाया जाए। टी.बी. मुक्त भारत के कार्यक्रमों को सघन और सतत रूप से संचालित किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने टी.बी. सील अभियान से जुड़े सदस्यों और स्वयंसेवी संस्थाओं को टी.बी. उन्मूलन के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह पीड़ित मानवता की सेवा का कार्य है। ऐसे मानवीय कार्यों से पुण्य लाभ और ईश्वर का आर्शीवाद प्राप्त होता है। राज्यपाल श्री पटेल का एम.पी. स्टेट टी.बी. एसोसिएशन के चेयरमेन श्री जयपाल सचदेव ने पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम में टी.बी. सील अभियान की जानकारी और जागरूकता पर आधारित किट का लोकार्पण किया। चेयरमेन श्री सचदेव ने टी.बी. सील अभियान और नवाचारों की जानकारी दी। आभार डॉ. अभिजीत देशमुख ने व्यक्त किया। इस अवसर पर लोकभवन के अधिकारी, एम.पी. स्टेट टी.बी. एसोसिएशन के पदाधिकारी और टी.बी. सील अभियान से संबंधित सदस्य उपस्थित थे।

भोपाल में नवविवाहिता ने पेट्रोल डालकर लगाई आग, इलाज के दौरान मौत, छह महीने पहले सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद हुई थी लव मैरिज

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल के गांधीनगर इलाके में अचारपुरा के पास मीणा चौराहे पर 20 वर्षीय नवविवाहिता ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। गंभीर हालत में उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार सुबह इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई। घटना 18 अक्टूबर की बताई जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, मृतका की पहचान दीपाली प्रजापति (20) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से छिंदवाड़ा की रहने वाली थी। दीपाली की सोशल मीडिया के जरिए रोहित कुशवाह से दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों ने करीब छह महीने पहले भोपाल में लव मैरिज की थी। शादी के बाद से वह करोंद की पूजा कॉलोनी स्थित ससुराल में रह रही थी।



बता दें कि, रोहित एक निजी कंपनी में डिलीवरी बॉय है, जबकि दीपाली गृहिणी थी। रोहित के मुताबिक, दीपाली अपनी सहेली के साथ बिना बताए ग्वालियर घूमने गई थी। वह 17 अक्टूबर को भोपाल लौटी थी। उसी रात युवती ने घबराहट होने की बात कही और चाय पीने चलने के लिए कहा। इसके बाद रोहित उसे चाय पिलाने के लिए ले गया था। वहां लौटते समय दीपाली ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। उसे बचाने की कोशिश में रोहित के हाथ भी झुलस गए। एएसआई जेएस पाटिल के मुताबिक, मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। फिलहाल परिजनों ने ससुराल पक्ष पर कोई आरोप नहीं लगाया है और न ही मौत को लेकर संदेह जताया है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

दुरंतो एक्सप्रेस में पैंट्री वेंडर्स की गुंडागर्दी

यात्री को उतारकर पीटा, रानी कमलापति स्टेशन पर दूध लेने उतर रहा था बेंगलुरु का युवक

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

दिल्ली सराय रोहिल्ला से यशवंतपुर जा रही ट्रेन नंबर 12214 एसी दुरंतो एक्सप्रेस में मंगलवार शाम रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर पैंट्री वेंडर्स ने एक यात्री के साथ मारपीट की। बेंगलुरु निवासी 22 वर्षीय अरमान खान दूध लेने के लिए कोच से उतर रहा था। इसी दौरान रास्ता रोकने को लेकर वेंडर्स से उसका विवाद हो गया। आरोप है कि वेंडर्स ने उसे एसी कोच से नीचे उतारकर पीटा। घटना का वीडियो सामने आया है। जीआरपी ने अज्ञात वेंडर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है।जानकारी के मुताबिक, फरियादी अरमान खान (22) बेंगलुरु का रहने वाला है। मंगलवार शाम ट्रेन के रानी कमलापति स्टेशन पहुंचने पर वह दूध लेने के लिए अपनी बोगी से बाहर निकल रहा था। इसी दौरान पैंट्री वेंडर्स ट्रेन में खाने का सामान चढ़ा रहे थे। इससे रास्ता बंद हो गया और अरमान को बाहर निकलने में परेशानी होने लगी।



अरमान ने रास्ता रोकने का विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद करीब आधा दर्जन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। घटना के दौरान हंगामे की स्थिति बन गई। यात्रियों ने घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया, जो अब सामने आया है। रानी कमलापति स्टेशन के जीआरपी थाना प्रभारी अमित शर्मा ने बताया कि पीड़ित ने आमला में एफआईआर दर्ज कराई थी। वहां से डायरी ट्रांसफर होने के बाद रानी कमलापति जीआरपी में असल कायमी की गई। पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात वेंडर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। थाना प्रभारी के मुताबिक, तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी। दुरंतो जैसी प्रीमियम ट्रेन में यात्री के साथ मारपीट की घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। हंगामे के दौरान मौके पर एक महिला पुलिसकर्मी नजर आई।

खराब पाचन, वजन बढ़ना...नूडल्स खाने से सेहत को क्या हो सकते हैं नुकसान



नूडल्स खाकर सोने के बाद एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत की खबर सामने आई, जिसने सभी को हिलाकर रख दिया. इसके कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन मैदा से बनने वाली चीजें सेहत को काफी नुकसान पहुंचाती हैं.

इंस्टेंट से लेकर घरों में बनाए जाने वाले नूडल्स और पास्ता, मैकरॉनी तक ज्यादातर मैदा से बने होते हैं. यही कारण है कि इन सभी को सेहत के लिहाज से सही नहीं माना जाता है. आज के समय में बच्चों से लेकर बड़े तक इंस्टेंट नूडल्स के दीवाने हैं. कई लोग तो डेली रूटीन में भी नूडल्स से लेकर मैदा की बनी की चीजें जैसे बर्गर, ब्रेड, पिज्जा खाते हैं. इससे धीरे-धीरे आपकी सेहत को नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है, जो आपको पता भी नहीं चलता है. नूडल्स या मैदा से बनी चीजें खाने से आपकी सेहत को क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं. इस बारे में जानिए एक्सपर्ट की राय.

मैदा एक ऐसा आटा है, जिसे गेहूं से ही बनाकर तैयार किया जाता है, लेकिन इसे बनाने की प्रक्रिया में ज्यादातर पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और इसे सफेद, चमकदार बनाने के लिए ब्लीचिंग एजेंट का इस्तेमाल भी होता है. इस वजह से इससे बनी चीजों का सेवन स्वास्थ्य के लिए सही नहीं माना जाता है. जान लेते हैं क्या हैं नुकसान?

क्या ज्यादा नुकसानदायक हैं इंस्टेंट नूडल्स?

इंस्टेंट नूडल्स खाते हैं तो इससे और भी ज्यादा नुकसान हो सकता है. दरअसल न सिर्फ ये मैदा के बने होते हैं, बल्कि इसमें इसमें सोडियम की मात्रा भी ज्यादा हो सकती है. इसके अलावा इसकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए कई सारी प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं. वहीं इन नूडल्स के साथ ज्यादातर मसाला भी मिलता है, जिसमें कई केमिकल होने की संभावना रहती है.

गट और पाचन को नुकसान

मुख्य रूप से नूडल्स तैयार करने के लिए मैदा की ही इस्तेमाल किया जाता है, इसिलए इसमें विटामिन-मिनरल, प्रोटीन के साथ ही फाइबर भी न के बराबर होता है. इस वजह से इसे पचाना मुश्किल हो जाता है. नूडल्स के शौकीन हैं और रोज इसे खाते हैं तो पाचन के साथ गट (आंतों) को नुकसान पहुंच सकता है. इससे आपको कब्ज, गैस पेट में भारीपन जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

बढ़ सकता है वजन

नूडल्स का अधिक सेवन करने से वजन भी बढ़ सकता है. दरअसल मैदा में कैलोरी ज्यादा और पोषण बहुत कम होता है. इस वजह से इसे खाने के बाद आपको ज्यादा भूख महसूस हो सकती है. इस वजह से ओवरईटिंग भी बढ़ सकती है. इसके अलावा कई बार लोग स्वाद की वजह से मैदा की बनी चीजें ज्यादा खा लेते हैं. ये भी एक वजन बढ़ने की वजह हो सकती है.

इंसुलिन रजिस्टेंस हो सकता है?

नूडल्स या मैदा की बनी चीजें ज्यादा खाने से आपको इंसुलिन रजिस्टेंस की समस्या हो सकती है. दरअसल इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी ज्यादा होता है जो ब्लड स्पाइक की वजह बनता है. जब अचानक ब्लड में शुगर बढ़ती है तो इसे कंट्रोल करने के लिए पैंक्रियाज ज्यादा मात्रा में इंसुलिन हार्मोन प्रोड्यूस करता है.

हार्ट डिजीज का खतरा

मैदा से बनी चीजों का सेवन जब आप नियमित रूप से करने लगते हैं तो इस वजह से शरीर में न सिर्फ पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, बल्कि इससे वजन बढ़ता है और शुगर स्पाइक से लेकर सूजन बढ़ने तक की समस्या हो सकती है. इस तरह से आपके दिल पर भी नेगेटिव असर होता है. एक रिसर्च भी ये बताती है .

वोट चोरी तो सब चोरी, जनता समझ गई



विचार सबसे बड़ी चीज है। उसे जिन्दा रखो। संविधान को कोई खत्म होने देना नहीं चाहता। इसलिए राहुल संविधान हमेशा दिखाते रहते हैं। देश को आगाह करते रहते हैं कि ये संविधान खत्म करने वाले लोग हैं। तो खुद के अस्तित्व को बचाने के लिए और गुलामी के बीच अपनी मर्जी से एक सांस लेने के लिए एक अख़बार ने हिम्मत दिखा दी और बस यहीं से पासा पलट गया।वोटर गाइड देखें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। करीब एक साल पहले जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार में एसआईआर का मुद्दा उठाया था तब लोग मोदी सरकार के इस वोट चोरी के खेल को नहीं समझे थे। राहुल ने जनजागरण किया। कई दिनों तक बिहार में यात्रा निकाली और उसके बाद से चुनाव आयोग द्वारा मोदी को सूट नहीं करने वाले वोटों को काटना और नकली वोटों को जोड़ने के खिलाफ प्रेस कान्फ्रेंस करके कई सबूत दिए।जनता में और सभी जगह मैसेज जाना शुरु हो गया कि कुछ गड़बड़ है। राहुल का यह कहना बहुत मायने रखता है कि एंटी इन्कम्बेन्सी हर सरकार के खिलाफ काम करती है। इन्दिरा गांधी के खिलाफ भी किया, वाजपेयी के खिलाफ भी। मगर यह बीस साल तक पच्चीस साल तक रहने की बात करते हैं जबकि देश में हर जगह दिखता है कि जनता कितनी परेशान है तो यह सरकार से नाराजगी (एंटी इन्कम्बेन्सी) इन पर असर क्यों नहीं करती?

राहुल ने खुद ही अपने सवाल का जवाब दिया कि वोट चोरी से। 13 करोड़ से ज्यादा वोट देश भर में काट दिए गए हैं। बंगाल में ऐसी बहुत सी सीटें हैं जहां जितने वोट काट गए उससे कम वोटों से बीजेपी का प्रत्याशी वहां जीता है। मिसाल के तौर पर सौ वोट काटे गए तो पचास वोट से। मतलब अगर वे सौ वोट जो वास्तविक थे। वे रहते तो जीतने की संभावना नहीं थी। यह बात खुद सुप्रीम कोर्ट ने कही। और यहां तक कि क्या दोबारा चुनाव करवाए जा सकते हैं?यह तथ्य आने के बाद माहौल में बदलाव शुरू हुआ। और फिर इंडियन एक्सप्रेस की खबर के बाद कि कैसे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सारे बड़े फैसले बाकी दो चुनाव आयुक्तों की मर्जी के खिलाफ किए। मीडिया आज भी सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे ज्यादा उसको अपने कब्जे में रखा है। मगर मीडिया को भी अपनी कुछ तो विश्वसनीयता चाहिए। अगर वह पूरी तरह भौंपू बन गई तो वह ही खत्म हो जाएगी। यह सरवाइवल (कुछ जान बची रहने का) का सवाल है।दूसरा गुलामी में रहने का। 80 साल से गुलामी में रहने की आदत छूट गई। कांग्रेस के नेतृत्व में जो आजादी पाई थी उसका सबसे बड़ा पहलू यह था कि सबको समान अधिकार। किसी का किसी पर कोई वर्चस्व नहीं। एक व्यक्ति एक वोट। इसी मूल भावना पर चोट पड़ी। मीडिया हो या न्यायपालिका या राष्ट्रपति सब के मन में जब भी आजादी की भावना जाग जाती है वे उस के अनुरूप कुछ कर देते हैं।

इसीलिए कहते हैं कि विचार सबसे बड़ी चीज है। उसे जिन्दा रखो। संविधान को कोई खत्म होने देना नहीं चाहता। इसलिए राहुल संविधान हमेशा दिखाते रहते हैं। देश को आगाह करते रहते हैं कि ये संविधान खत्म करने वाले लोग हैं। तो खुद के अस्तित्व को बचाने के लिए और गुलामी के बीच अपनी मर्जी से एक सांस लेने के लिए एक अखबार ने हिम्मत दिखा दी और बस यहीं से पासा पलट गया।पेपर लीक की वजह से छात्रों और युवाओं में गुस्सा पहले से था। उनकी शिक्षा, उच्च, प्रोफेशनल शिक्षा के अवसर छीने जा रहे थे। और फिर उनका वोट छीने जाने का भी उन्हें पता चल गया। फर्स्ट टाइम वोटरों को सबसे ज्यादा काटा जा रहा था।युवा छात्रों के आक्रोश का पता चलने के बाद उनके वोटों पर तलवार चला दी गई। कहां चुनाव आयोग के आदमी घर-घर आकर पूछते थे कि कोई 18 साल का होने वाला तो नहीं? और खुद उसका नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा देते थे। अब उल्टा हो रहा है। पहली बार वोटर बनने के फार्म को बदल दिया। फार्म 6 जो नए वोटर के लिए है। बहुत आसान होता था। होना भी चाहिए। मगर उसे जटिल करके इसमें उसके परिवार का माता-पिता, दादा-दादी का 2000 या उसके आसपास की वोटर लिस्ट में नाम और सारी डिटेल मांगी जा रही थी। लड़का-लड़की 18 साल का है और उससे रिकार्ड मांगा जा रहा है उसके जन्म से 8 साल पहले का!

चुनाव आयोग की धांधलियां एकदम से सतह पर आ गईं और सबसे बड़ी बात उसकी विश्वसनीयता ही खत्म हो गई। इसी के खिलाफ इंडिया गठबंधन ने आवाज उठाई। जो विपक्ष का काम है। एसआईआर की पूरी वापसी। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा। 30 सितम्बर को हुई इस बैठक के बाद ही आंदोलन का बिगुल बज गया। 6 अक्टूबर का कॉल बहुत बड़ा साबित हुआ। विपक्ष ने ऐलान किया था कि इस दिन चुनाव आयोग जाकर चुनाव आयुक्तों को वोट चोरी के खिलाफ ज्ञापन देंगे। वोटर गाइड देखेंमगर मोदी सरकार जैसे 12 साल में विपक्ष द्वारा उठाई गई किसी मांग को नहीं सुनती यह भी नहीं सुनी। लेकिन इस बार उनका यह आत्मविश्वास महंगा पड़ गया। विपक्ष तो राहुल गांधी के नेतृत्व में संसद से चुनाव आयोग के लिए निकला। मगर सरकार ने उसे चुनाव आयोग पहुंचने से पहले ही रोक दिया। राहुल को हिरासत में ले लिया। राहुल का सिम्पल कहना था कि एक हफ्ते पहले हमने चुनाव आयोग जाने की बात कही थी। शांतिपूर्ण। और वह जा भी रहे थे। फिर गिरफ्तारी क्यों?वे बस से उतरकर सामने आकाशवाणी भवन में घुस गए। वहीं से जो यह आन्दोलन आज तक चल रहा है नए मोड़ पर आ गया।

ज्ञानेश कुमार के साथ मोदी और अमित शाह को भी जाना होगा- के नारे लगने लगे। और जैसे-जैसे आन्दोलन तेज होता गया दमन भी होता गया। सिर्फ पुलिस का ही नहीं प्राइवेट गुंडे बुलाकर उनसे भी लड़कियों के कपड़े खिंचवाए गए। गालियां, मारपीट तो अलग। देश के इतिहास में कभी सरकार और पुलिस ने इस तरह गुंडे बुलाकर युवा लड़के-लड़कियों को नहीं पिटवाया गया। अंग्रेजों ने भी कभी आन्दोलन कुचलने के लिए गुंडे नहीं बुलाए। गुंडे बुलाना सरकार की कमजोरी की निशानी होता है। मोदी सरकार कमजोर हो रही है। समाचार पढ़ें

पिछली बार शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को बचाने के लिए दिल्ली में पेलेटगन, बिहार में एके-47 चलाई थी। इस बार लड़कियों पर यौन हमला किया गया। राहुल ने इन लड़कियों से मुलाकात की। जो लड़कियों ने सुनाया है कि पुलिस थाने के अंदर सीनियर पुलिस अधिकारियों से लेकर नीचे सिपाही और महिला सिपाही द्वारा उनके साथ कैसा बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया गया। बाहर गुंडों द्वारा अंदर पुलिस द्वारा। महिला सुरक्षा के नाम पर मोदी सरकार आई थी

-बहुत हुआ नारी पर वार अबकि बार मोदी सरकार।और अब खूब करो नारी पर वार, देंगे इसका हम पुरस्कार !लेकिन सरकार चाहे जितना जुल्म ढहा ले अब छात्र युवा, विपक्ष आम जनता पीछे हटने वाले नहीं हैं। अब सब जान गए हैं कि उनके वोट को निरर्थक बना दिया गया है।राहुल का कहना वोट चोरी एक सत्य है। मोदी हमारे वोट से नहीं हमारा वोट चुरा कर जीत रहे हैं।

दिल्ली में एक नवंबर रविवार को इंडिया गठबंधन की बड़ी जनसभा हो रही है। मालूम पड़ जाएगा कि जनता वोट चोरी को कितनी गंभीरता से ले रही है। विपक्ष ने अपना काम कर दिया। जनता जिसका वोट ही चला जाएगा तो फिर कुछ नहीं बचेगा। इसे बचाने के लिए कितना आगे आती है।

आजादी के बाद नेहरू ने सबको वोट का अधिकार बिना मांगे, बिना संघर्ष के दिया था। फिर राजीव गांधी ने इसे 21 से घटाकर 18 साल के युवाओं को दे दिया था। अब इसको चुराया जा रहा है। देखते हैं एक नवंबर को इसे बचाने के लिए कितने लोग कहां-कहां से रामलीला मैदान पहुंचते हैं।

संपादकीय

गैंगस्टरों का खौफ

देश में कानून-व्यवस्था के समांतर अपराध की सत्ता चलाने वाले गिरोहों का इतिहास पुराना रहा है। बेशक समय के साथ अपराधी संगठनों के नामकरण और अपराध के तौर-तरीके जरूर बदले हों, लेकिन उनका खौफ गाहे-बगाहे बना रहा। कभी मुंबई हाजी मस्तान और दाऊद से लेकर छोटे राजन के गैंगवार की साक्षी रही है। अब वहां नये सिरे से गैंगस्टरों का दखल बढ़ रहा है। रविवार को बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। जो बताता है कि गैंगस्टर कैसे कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौतियां दे रहे हैं। पहले भी सलमान खान व रोहित शेट्टी जैसे सितारे और फिल्म निर्माता गैंगस्टरों के निशाने पर रहे हैं। जो बताता है कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अब भी संगठित अपराध कानून व्यवस्था के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यह सराहनीय है कि मुंबई पुलिस की खुफिया सूचनाओं की मदद से कोटा रेलवे स्टेशन से तीन संदिग्ध हमलावरों को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन अभियुक्तों की गिरफ्तारियों से टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के पीछे के आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिल सकेगी। निश्चय ही इस दिशा में कोशिशें तेज करने की जरूरत है। मुंबई पुलिस के लिये ये गिरफ्तारियां और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं क्योंकि इससे पहले कई फिल्मी सितारों को गैंगस्टरों की तरफ से धमकियां दी जाती रही हैं। जिनमें फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी और फिल्म स्टार सलमान खान को डराने के लिये भी गोलीबारी की घटनाएं विगत में हो चुकी हैं। निस्संदेह, इन मामलों को महज धमकियों और जबरन वसूली तथा हिंसा की इक्का-दुक्का घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में ये समाज में लगातार गहरी होती जाती एक गंभीर समस्या के लक्षण हैं। यदि समय रहते ऐसे गैंगस्टरों की कमर नहीं तोड़ी जाती तो वे समाज में रक्तबीजों की तरह लगातार बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिद्वंद्विता का खमियाजा कालांतर कानून-व्यवस्था बाधित होने से समाज को ही भुगतना पड़ेगा।

दरअसल, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि इस हमले के संदिग्ध हमलावरों में से एक का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित साथी से है। यहां उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आए लॉरेंस बिश्नोई साल 2015 से जेल में बंद है। ऐसे में सवाल उठता है कि कड़ी पुलिस सुरक्षा में जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई का नाम गाहे-बगाहे विभिन्न अपराधों में संलिप्तता के रूप में कैसे उछाला जाता है? भारत ही नहीं, उसके साथी यूरोप व अमेरिका में सक्रिय बताये जाते हैं। अमेरिका में उसे अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर गिरोह के रूप में चिन्हित किया जाता है। कुछ समय पहले उसके करीबी सहयोगियों में से एक, करमवीर सिंह को कनाडा से डिपोर्ट किया गया था। पिछले महीने पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को नवंबर 2025 में अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था। उसके उपरांत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, यह मामला आपराधिक गिरोहों और आतंकी समूहों के बीच सांठगांठ से जुड़ा बताया जाता है। बहरहाल, टाइगर पर हमले वाली घटना सार्वजनिक सुरक्षा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। अगर हमलावर मुंबई के एक बेहद भीड़-भाड़ वाले इलाके में किसी सेलिब्रिटी पर गोली चलाकर फरार हो सकते हैं और अपराध करने के बाद राज्य की सीमा से बाहर चले जाते हैं, तो यह सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल है। यह घटनाक्रम खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था और पुलिस की एहतियाती कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है। आपराधिक गिरोहों को कानूनी व्यवस्था की खामियों का लाभ उठाने से रोकने के लिये देश के विभिन्न राज्यों के बीच लगातार सहयोग होना जरूरी है।

सिंहासन खाली करो कि जनता आती है!



हैरानी की बात नहीं है कि नीट परीक्षा लीक के बहाने, शिक्षा की बहाली तथा रोजगार के अभाव की युवाओं की चिंताओं के गिर्द और कॉकरोच जनता पार्टी तथा वामपंथी छात्र संगठनों की पहल पर, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को केंद्र में रखकर देश में विशेष कर युवाओं या जेन जी की गोलबंदी हुई थी, मोदी राज ने उसे भी अपने खिलाफ देशी-विदेशी षड्यंत्र बनाने की और शासन की ताकत के बल पर दबाने की हर मुमकिन कोशिश की थी।बिहार में चुनाव के मौके पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामधारी सिंह दिनकर को याद करना नहीं भूलते हैं। लेकिन, लगता है कि इस महान कवि की उक्त कालजयी पंक्ति को समझ कर भी नासमझ बनने की मुद्रा अपनाने में ही प्रधानमंत्री ने अपना फायदा समझा है। वर्ना पिछले करीब हफ्ते भर से सत्ताधारी निजाम जिस तरह से अपने हटाए जाने की देसी ही नहीं विदेशी तक साजिशों का सरासर झूठा शोर मचाकर, अपने राज में रचे गए चुनावों को ही बेमानी बना देने के संविधानविरोधी, जनतंत्रविरोधी षड्यंत्र पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहा है, उसने दिनकर की उक्त पंक्ति को कब का राष्ट्र-विरोधी घोषित कर दिया होता। क्योंकि कवि ने जनता की इच्छा के लिए, सिंहासन खाली करने की बात तो कही है, लेकिन इसमें साफ-साफ शब्दों में यह शर्त तो जोड़ी ही नहीं है कि चुनाव के जरिए जनता (की इच्छा) आती है!यह और भी विडंबनापूर्ण है कि अपने विरोधियों और आलोचकों पर, चुनाव के जरिए सत्ता परिवर्तन के जनतांत्रिक तरीके के बजाए, अलोकतांत्रिक तरीकों से सत्ता परिवर्तन का षड्यंत्र रचने के आरोप, वही सत्ताधारी संघ-भाजपा गिरोह लगा रहा है, जिस पर इल्जाम ही यह है कि उसने पूरी तरह से पक्षपाती चुनाव आयोग के साथ मिलकर, ठीक चुनाव के जरिए सत्ता परिवर्तन का रास्ता ही रोकने का षड्यंत्र रचा है। दूसरे शब्दों में, सत्ताधारियों का विपक्ष पर अलोकतांत्रिक तरीकों से सत्ता परिवर्तन की कोशिश का आरोप, वास्तव में देश में चुनाव को ही निरर्थक बना देने के मौजूदा निजाम के इंतजामों का ही पूरक है। सत्ताधारियों को चिंता है कि इसका इंतजाम तो उन्होंने कर लिया है कि चुनाव के जरिए उन्हें सत्ता से हटाया ही नहीं जा सकता है, लेकिन यह भी %जनता के आ धमकने% से तो पूर्ण सुरक्षा नहीं देता है। तानाशाहों को जनता के आने के खिलाफ सुरक्षा के लिए हमेशा राजकीय हिंसा की जरूरत होती है और जनता से पूर्ण सुरक्षा के लिए, उसकी हरेक हरकत को, हरेक आंदोलन को आपराधिक षड्यंत्र बना देने की।अपने खिलाफ जनता के हरेक आंदोलन को, अपनी हरेक गंभीर आलोचना को, आपराधिक षड्यंत्र बना देने में वर्तमान मोदी-शाह निजाम ने भारी महारत हासिल कर ली है। इस जनविरोधी और बुनियादी अर्थ में जनतंत्रविरोधी खेल के सिर्फ तीन खास उदाहरणों की यहां याद दिलाना ही काफी होगा–भीमा कोरेगांव षड्यंत्र केस; तीन काले कानूनों के खिलाफ देश के किसानों का ऐतिहासिक आंदोलन; और तथाकथित दिल्ली दंगा वृहत्तर षड्यंत्र केस। बेशक, ऐसे ही उदाहरण और भी अनेक हैं, लेकिन यहां इन तीन उदाहरणों का जिक्र सिर्फ यह रेखांकित करने के लिए किया जा रहा है कि मोदी निजाम ने, अपने नियंत्रण से बाहर जनता की हरेक गोलबंदी को, राष्ट्रविरोधी षड्यंत्र साबित करने कोशिश करने को नियम ही बना लिया है। और तो और, मोदी के सर्वाधिक कृपाप्राप्त, महा-धन्नासेठ, अडानी की कारोबारी धांधलियों और गड़बड़ियों को उजागर किए जाने को भी वर्तमान निजाम ने हर बार, भारत-विरोधी षड्यंत्र बनाने की ही कोशिश की है।इसलिए, हैरानी की बात नहीं है कि नीट परीक्षा लीक के बहाने, शिक्षा की बहाली तथा रोजगार के अभाव की युवाओं की चिंताओं के गिर्द और कॉकरोच जनता पार्टी तथा वामपंथी छात्र संगठनों की पहल पर, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को केंद्र में रखकर देश में विशेष कर युवाओं या जेन जी की गोलबंदी हुई थी, मोदी राज ने उसे भी अपने खिलाफ देशी-विदेशी षड्यंत्र बनाने की और शासन की ताकत के बल पर दबाने की हर मुमकिन कोशिश की थी। यह दूसरी बात है कि दमन के उसके ये हथकंडे उसके लिए उल्टे पड़ गए और उसके अपने मध्यवर्गीय समर्थन आधार में भी दरारें पड़ने लगीं, जिसे संभालने की कोशिश में उसे अपनी हमारे राज में इस्तीफे नहीं होते की तानाशाहाना ठसक को छोड़कर, प्रधान का इस्तीफा लेना पड़ा। नीतियां देखें

लेकिन, तब तक खुल्लमखुल्ला सत्तापक्ष का पहरुआ बन गए चुनाव आयोग की मदद से, मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर मर्जी के नाम जोड़ने और नापसंद नाम काटने के जरिए, चुनावों को प्रभावित करने के खेल को, मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण या एसआरआर के जरिए, सत्ताधारियों के हिसाब से मतदाताओं की चुनाव के स्तर पर पहुंचा दिया और वह भी खुल्लमखुल्ला मनमानी करते हुए। बंगाल के चुनाव में यह खेल एकदम ही खुलकर सामने आ गया, जहां केंद्र में सत्ताधारी भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए, न सिर्फ समूची चुनावी मशीनरी तथा चुनावों के दौरान प्रशासनिक मशीनरी को ठोक-पीटकर केंद्रीय सत्ता के प्रति वफादार बना दिया गया बल्कि पूरे सत्ताईस लाख मतदाताओं का मताधिकार घोषित रूप से छीनते हुए, जोकि टार्गेटेड तरीके से किया जा रहा था, चुनाव कराए गए, जिसने चुनाव को ही सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। ये लाखों मतदाता चुनाव के महीनों बाद भी अनिश्चितता के झूले ही में झूल रहे हैं, जबकि बंगाल में चुनाव आयोग की मदद से कराए गए रिजीम चेंज या सत्ता परिवर्तन के बाद से, इनकी नागरिकता पर भी सवालिया निशान लगा दिए गए हैं।इसी सब की पृष्ठभूमि में, जब यह तथ्य सामने आया कि एसआईआर की प्रक्रिया में, जिससे अब भी देश का एक हिस्सा कवर नहीं हुआ है, पिछली मतदाता सूचियों में रहे पूरे 13 करोड़ 30 लाख नाम बाहर किए जा चुके हैं, जो कि दुनिया के आठ-दस सबसे बड़े देशों को छोड़कर, बाकी सभी देशों की आबादी से भी ज्यादा संख्या है, तो इस प्रक्रिया के साथ शुरूआत से ही लगा रहा %वोट चोरी' का संदेह यकीन में बदल गया और इसकी आलोचनाएं एक जन-विक्षोभ में। राजधानी दिल्ली में, जहां हर तीसरा मतदाता इसकी कैंची के नीचे आ गया और दो चुनाव आयुक्तों समेत, अनेक वीआईपी मतदाताओं का वोट खतरे में आ गया, जिनके लिए चुनाव आयोग को संबंधित एप में अलग से विशेष व्यवस्था भी करनी पड़ी और दूसरी ओर, कई मतदान केंद्रों पर करीब सारे के सारे वोट ही एसआईआर की कैंची के नीचे आ गए, मीडिया में अपेक्षाकृत अधिक तथा मतदाताओं के प्रति सहानुभूतिपूर्ण कवरेज ने इस विभीषिका को देश भर के सामने गहरे रंग से रेखांकित कर दिया। सेवा खोजेंइसी पृष्ठभूमि में आए इंडियन एक्सप्रेस तथा अन्य प्रकाशनों के रहस्योद्घाटनों ने विपक्ष की बदतरीन आशंकाओं की सचाई के सबूत पेश कर दिए। अब यह साफ था कि मतदाता सूचियों में फेर-बदल की सारी प्रक्रिया, खुद चुनाव आयोग की प्रक्रियाओं से भी स्वतंत्र, एक गुट-विशेष या कोटरी के ही हाथों में केंद्रित हो गयी थी, जो पूरी तरह से मनमाने तथा अपारदर्शी तरीके से इस प्रक्रिया को संचालित कर रही थी। इसे खुद चुनाव आयुक्तों के बहुमत को किनारे कर के सीधे मुख्य चुनाव आयुक्त की इच्छा से संचालित किया जा रहा था और इस व्यवस्था के तार सत्ता के शीर्ष से जुड़े हुए थे। ईसीआईनेट के जिस कंप्यूटरी ताने-बाने के जरिए इस समूची प्रक्रिया को संचालित किया जा रहा था, उसका नियंत्रण पूरी तरह से केंद्र के चंद खासुल खासों तक सीमित था। दूसरी ओर, जो ईआरओ कानूनन मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने-हटाने के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें इस प्रक्रिया में पूरी तरह से अधिकारहीन बना दिया गया था।और मनमानी का आलम यह था कि बंगाल में, 16 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम, पूरी प्रक्रिया के बाद सूची से हटाने के लिए खुद चुनाव आयोग की ओर से अपीलें दायर की गयी थीं, जो केंद्र में कंप्यूटर-प्रणाली के जरिए और वास्तव में दो चुनाव आयुक्तों के अंधेरे में रखकर किया जा रहा था। बाद में उत्तराखंड आदि अन्य कई राज्यों में भी चुनाव आयोग के %सिस्टम' द्वारा ही फार्म 7 के जरिए मतदाताओं के नाम काटे जाने जानकारियां सामने आयीं। दूसरी ओर खासतौर पर भाजपा तथा संघ परिवार के विभिन्न बाजुओं द्वारा फार्म 7 के जरिए, थोक में उत्तराखंड से लेकर तेलंगाना व कर्नाटक तक, विरोधी या राजनीतिक रूप से संदिग्ध मतदाताओं के नाम कटवाए जाने और उत्तर प्रदेश तथा कई अन्य राज्यों से फार्म 6 के जरिए इसी तरह लाखों नाम जोड़े जाने के की खबरें भी सामने आयी हैं। कुल मिलाकर यह कि एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग ने अपने साथ-साथ, चुनाव मात्र की विश्वसनीयता को खत्म कर दिया है। जाहिर है कि वह यह इसलिए कर रहा है क्योंकि उसे कार्यपालिका के शीर्ष पर बैठी मोदी-शाह जोड़ी को खुश करना है, जिसने कानून बदलकर उनकी नियुक्ति का अधिकार अपने हाथ में ले लिया है और ऐसा वे कानूनी जवाबदारी की परवाह न करते हुए कर सकते हैं, क्योंकि उसी कानून के जरिए उन्हें चुनाव आयोग में पद पर रहते हुए किए गए कामों के लिए, जीवन भर के कानूनी कार्रवाई से सुरक्षा दे दी गयी है। समाचार पढ़ेंयह कुल मिलाकर चुनाव को ही बेमानी बनाकर, जनता की इच्छा की अभिव्यक्ति में जनतंत्र का ही रास्ता बंद कर दिए जाने की कोशिश है। स्वाभाविक रूप से जनतंत्र की परवाह करने वाली सभी ताकतें, अपनी तमाम भिन्नताओं के बावजूद, जनतंत्र के इस अपहरण के खिलाफ प्रतिरोध के लिए सामने आ रही हैं।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

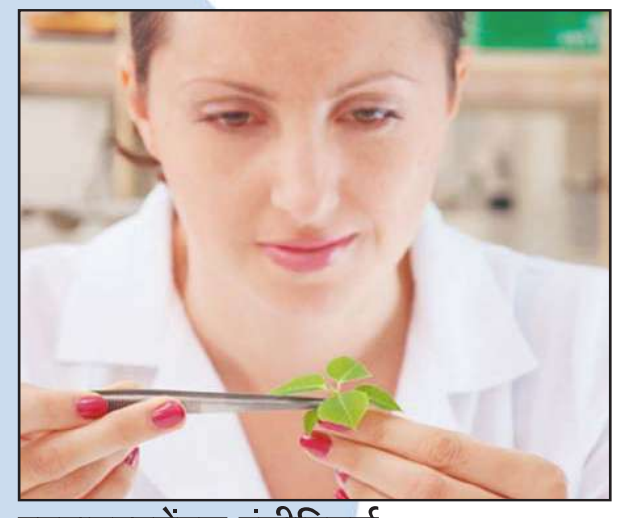


पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.



एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

वेतन – एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है.

संस्थान – अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।



शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत- हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

कोर्स और क्वालिफिकेशन – देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

कॅरियर ऑप्शन – स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?



क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य – 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री-स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



जय भानुशाली से तलाक के बाद क्या फिर प्यार की तलाश में हैं

माही विज

डेटिंग पर दिया जवाब

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस माही विज इस वक्त रिएलिटी शो बिग बॉस 20 में नजर आ रही हैं. शो में माही की दोस्ती काजी तौकीर के साथ है. दोनों एक दूसरे के साथ सबसे ज्यादा समय बिताते हैं कई बातें भी शेयर करते हैं. माही जय भानुशाली से तलाक के बाद बिग बॉस का हिस्सा बनी हैं. वहीं अब एक्ट्रेस ने अपनी लव लाइफ को लेकर बात की है. एक एपिसोड में काजी मजाकिया अंदाज में माही से सवाल करते हैं कि क्या कोई उनसे संपर्क कर सकता है. इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, नहीं, मुझसे संपर्क नहीं कर सकते. मैं सभी के लिए ओपन नहीं हूं.इसके बाद काजी ने उनसे और जानने की कोशिश की. उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि शायद माही कुछ चुनिंदा लोगों के लिए तैयार हैं. उन्होंने यह भी पूछा कि क्या माही ने तीन-चार लोगों को चुन रखा है और क्या कोई उन्हें प्रपोज कर सकता है. काजी की इन बातों पर माही लगातार मुस्कुराती और शरमाती नजर आई हैं.



क्या किसी को डेट करना चाहती हैं माही ?

काजी मजाक-मजाक में माही से यह भी पूछते रहे कि उनके पास कितने ऑप्शन हैं. हालांकि, माही ने किसी खास शख्स में दिलचस्पी होने की बात नहीं मानी है. इस बातचीत के दौरान वहां मौजूद उदिति सिंह ने मजाक में कहा कि शायद माही का खास इंसान यह शो देख रहा होगा. हालांकि, माही ने कुछ भी खुलकर नहीं कहा है. अब वो किसी को डेट करना चाहती हैं या नहीं ये तो साफ नहीं हो पाया है.

14 साल बाद जय से अलग हुई माही

माही ने जय भानुशाली ने जनवरी 2026 में अलग होने का ऐलान किया था. दोनों की 14 साल की शादी खत्म हो गई. माही और जय की एक बेटी तारा है. इसके अलावा, दोनों अपने फोस्टर बच्चों खुशी और राजवीर की भी परवरिश कर रहे हैं. जय भानुशाली ने हाल ही में बताया कि माही के बिग बॉस 20 में हिस्सा लेने की वजह से उन्हें अपनी बेटी तारा के साथ ज्यादा समय बिताने का मौका मिल रहा है. जय ने ये भी कहा है कि वो चाहते हैं कि माही ये शो जीतें.

काजी तौकीर समेत ये 6 सदस्य नॉमिनेट! क्या कैप्टन की एक खास पावर पलट देगी पूरा गेम?



'बिग बॉस 20' के घर के अंदर का खेल दिन-प्रतिदिन बेहद दिलचस्प होता जा रहा है. जहां हर एक फैसला कंटेस्टेंट्स के सफर को पूरी तरह बदलने का दम रखता है, तो वहीं दूसरी तरफ शो में टिके रहना और हर हफ्ते खुद को नॉमिनेशन से बचाना घरवालों के लिए सबसे बड़ा इम्तिहान साबित हो रहा है. इस बीच शो से जुड़ी जो ताजा अपडेट सामने आई है, उसने घर के अंदर हलचल मचा दी है. इस हफ्ते मेकर्स एक ऐसा नया ट्विस्ट लेकर आए हैं जो पूरे खेल की कायापलट कर सकता है.

सामने आ रही रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए कुल 6 चेहरों पर तलवार लटक रही है. इस नॉमिनेशन लिस्ट में उदति, अरिश्फा खान, मैरी कॉम, लव गिल, काजी तौकीर और आसिफ खान के नाम शामिल हैं. इन 6 सदस्यों के नाम सामने आने के बाद से घर में तनाव का माहौल साफ देखा जा सकता है, क्योंकि सभी पर एलिमिनेशन का खतरा मंडरा रहा है.

कैप्टन की खास पावर से बदलेगी बाजी ?

ये खेल सिर्फ यहीं खत्म नहीं होता. करीबी सूत्रों के हवाले से ये खबर आ रही है कि इस हफ्ते घर के कैप्टन को एक बेहद खास और विशेष अधिकार मिल सकता है. इस पावर के तहत कैप्टन के पास ये अधिकार होगा कि वो चाहे तो किसी एक नॉमिनेटेड सदस्य को इस खतरे से सुरक्षित बचा सकता है या फिर किसी अन्य सदस्य को सीधे तौर पर नॉमिनेशन के कटघरे में खड़ा कर सकता है. यदि कैप्टन किसी सदस्य को बचाने का फैसला करता है, तो ये उस कंटेस्टेंट के लिए गेम में एक बहुत बड़ा एडवांटेज साबित होगा.

अपकमिंग एपिसोड के लिए बढ़ा रोमांच

किसी को सीधा नॉमिनेट करने का फैसला घर के अंदर भारी हंगामे और नए झगड़ों की वजह बन सकता है. ये फैसला इस बात का भी संकेत देगा कि कैप्टन के अपने समीकरण किसके साथ हैं और वो किसे अपना सबसे बड़ा खतरा मानता है. फिलहाल उदति, अरिश्फा खान, मैरी कॉम, लव, काजी तौकीर और आसिफ खान इस हफ्ते खतरे के घेरे में हैं.

'पाजी की गंभीर सर्जरी हुई थी', दलेर मेहंदी के सपोर्ट में उतरे कपिल शर्मा



सिंगर दलेर महेंदी अपने वायरल वीडियो की वजह से चर्चा में बने हुए हैं. उत्तराखंड के टिहरी जिले में नवरात्रि समारोह के दौरान एक कार्यक्रम में परफॉर्म करने पहुंचे थे. लेकिन इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल मंच पर पहुंचे दलेर को लेकर आरोप लगाया कि वो शराब के नशे में परफॉर्म कर रहे थे. इस बीच मिका सिंह भाई के सपोर्ट में उतरे हैं. हालांकि, इस बीच सिंगर मीका सिंह बड़े भाई दलेर मेहंदी के सपोर्ट में आए और आरोपों को खारिज करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया.

अब कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा भी दलेर मेहंदी के सपोर्ट में उतरे हैं. कपिल ने मीका सिंह का वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर री-शेयर करते हुए मीका को धन्यवाद दिया का उन्होंने इस पर सफाई दी है. साथ ही कपिल ने ये भी खुलासा किया कि दलेर मेहंदी किसी सीरियस सर्जरी से गुजरे हैं.

कपिल ने किया सर्जरी का खुलासा

कपिल शर्मा ने मीका सिंह की वीडियो री-शेयर करते हुए लिखा- कपिल ने लिखा, दलेर मेहंदी पाजी की कुछ गंभीर सर्जरी हुई थी, जिसके बारे में लोगों को पता नहीं है. हमें एक-दूसरे के प्रति थोड़ा और दयालु होने की जरूरत है. हम नहीं जानते कि कोई इंसान किस दौर से गुजर रहा है. सच्चाई सामने रखने के लिए मीका सिंह पाजी का शुक्रिया. भगवान दलेर पाजी को आशीर्वाद दें. हम आपसे प्यार करते हैं.कॉमेडियन ने मीका सिंह की पोस्ट पर भी कमेंट किया. उन्होंने लिखा, भगवान दलेर पाजी को जल्दी ठीक होने की ताकत दे. वह जल्द ही स्टेज पर शेर की तरह दहाड़ेंगे. सिर्फ कुछ व्यूज पाने के लिए ऐसी फर्जी खबरें फैलाने वालों पर शर्म आती है. भगवान दलेर पाजी का भला करे.

मीका सिंह ने क्या कहा था ?

दलेर मेहंदी की सेहत के बारे में बात करते हुए मीका ने बताया कि उनके भाई पिछले दो साल से बीमार हैं और अभी भी ठीक हो रहे है. इसके बावजूद वह अपने बैंड के साथ परफॉर्म कर रहे हैं. मीका ने यह भी साफ किया कि दलेर शराब नहीं पीते हैं. उन्होंने कहा कि आजकल कई कलाकार बैकिंग ट्रैक का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उनके साथ इस तरह सवाल नहीं किए जाते.

टाइगर श्रॉफ पर हमले के बाद UP पुलिस भी एक्शन में, बरेली में एक्ट्रेस

दिशा पाटनी

के घर के बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ पर रविवार को मुंबई के जुहू इलाके में हुए हमले के बाद जहां एक तरफ मुंबई पुलिस मामले की जांच में जुटी है, कोटा से तीन आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है, तो वहीं दूसरी तरफ इस हमले के बाद क्रपुलिस भी एक्शन में आ गई है. दरअसल, खबर है कि



अब बरेली में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर के बाहर पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है.टाइगर पर हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अनिल पंडित ने ली है. पिछले साल दिशा के घर पर भी फायरिंग हुई थी. इसी को देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक्शन लेते हुए बरेली में दिशा के घर के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए हैं.

दिशा पाटनी के घर पर कब हुई थी फायरिंग ?

बता दें कि पिछले साल दिशा पाटनी के घर पर लगातार दो दिन फायरिंग हुई थी. 11 और 12 सितंबर 2025 को बाइक सवार हमलावरों ने घर को निशाना बनाया था. उनके घर पर दूसरे दिन जो हमला हुआ था, उसमें 10-12 गोलियां चलाई गई थीं. मामले में गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा गैंग का नाम सामने आया था. बाद में गाजियाबाद में मुठभेड़ के दौरान दो कथित शूटर मारे गए थे. चार आरोपियों के खिलाफ पुलिस चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है.

सुरक्षा के मद्देनजर फैसला

ऐसे में सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने बरेली में दिशा पाटनी के घर के बाहर सुरक्षा तैनात कर दी है. दिशा पाटनी का घर बरेली के शहर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन पर है. वहां उनकी फैमिली रहती है. दिशा इस समय मुंबई में हैं. जब टाइगर पर हमला हुआ, तो उसके बाद दिशा उनसे मिलने उनके घर भी पहुंची थीं.बता दें कि टाइगर श्रॉफ रविवार शाम तकरीबन 7 बजे जब जुहू के एक ग्राउंड से फुटबॉल खेल कर घर लौट रहे थे, उसी वक्त ग्राउंड के बाहर उनकी गाड़ी पर हमला हुआ था. बाइक सवार तीन बदमाशों ने 5 राउंड फायरिंग की. इस हमले में टाइगर बाल-बाल बचे. पुलिस तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है और मामले की जांच जारी है.

प्रदेशीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता में चैम्पियन बनीं लखनऊ और मेरठ की टीमें

एजेंसी

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद में 15 से 18 अक्टूबर तक चली प्रदेशीय विद्यालयीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता-2026 का भव्य समापन बहुत ही जोश और उत्साह के साथ हुआ। अंडर-17 में लखनऊ मंडल प्रथम, अयोध्या द्वितीय रहा और अंडर-19 में मेरठ मंडल प्रथम, वाराणसी द्वितीय रहा। विजेताओं को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल देकर सम्मानित किया गया। प्रदेशीय विद्यालयीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता-2026 की मेजबानी इस बार मुरादाबाद के द्वारा गई। जिसमें अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग में हुई इस प्रतियोगिता में यूपी के 23 मंडलों की टीमों ने हिस्सा लिया। रविवार को समापन समारोह में मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक शिवलाल, विशिष्ट अतिथि आपर जिलाधिकारी नगर अंकुर श्रीवास्तव रहे। आभार मुरादाबाद जिला विद्यालय निरीक्षक मुरादाबाद रितु तोमर ने व्यक्त किया। जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा शतानंद शर्मा का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान मद्य निषेध अधिकारी मनोज की गरिमामयी में उपस्थिति रही।

रांची में 22 अक्टूबर से शुरू होगी 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता

रांची। झारखंड पुलिस को 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2026-27 के आयोजन की जिम्मेदारी मिली है। प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 26 अक्टूबर तक रांची के होटवार स्थित खेलगांव परिसर में किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर की विभिन्न राज्यों की पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य सुरक्षा बलों की तीरंदाजी टीमें हिस्सा लेंगी।प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विभिन्न राज्यों और सुरक्षा बलों की टीमें 19 अक्टूबर से रांची पहुंचने लगेंगी। उपलब्ध कार्यक्रम के अनुसार, झारखंड सहित कुल 28 टीमें प्रतियोगिता में शामिल होंगी। इन टीमों में कुल 432 खिलाड़ी और अन्य सदस्य शामिल हैं। टीमों के आगमन को लेकर झारखंड पुलिस ने विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया है। इसके तहत 19 से 21 अक्टूबर तक टीमें रांची, हटिया और बरकाकाना रेलवे स्टेशनों पर पहुंचेंगी। कुछ टीमें बस से भी आएंगी।

रणजी ट्रॉफी : प्रियांश आर्य 199 रन बनाकर आउट, रिंकू सिंह ने जड़ा लगातार दूसरा शतक

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी मुकाबलों में दिल्ली के प्रियांश आर्य दोहरे शतक से चूक गए लेकिन उनकी शानदार पारी और कप्तान आयुष बडोनी के नाबाद शतक की बदौलत दिल्ली ने गुजरात के खिलाफ पहले दिन मजबूत स्थिति हासिल कर ली। वहीं, उत्तर प्रदेश के रिंकू सिंह ने गोवा के खिलाफ लगातार दूसरा शतक जड़कर टीम को मुश्किल से उबारा। विभिन्न मुकाबलों में उदय सहारन, सचिन बेबी और सचिन यादव ने भी शतकीय पारियां खेलीं, जबकि गेंदबाजों में तुषार देशपांडे, गुरजपनीत सिंह और साई किशोर ने शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने महज 125 गेंदों में अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। हालांकि, वह 199 रन बनाकर आउट हो गए और दोहरे शतक से एक रन दूर रह गए। कप्तान आयुष बडोनी ने नाबाद शतक जड़कर दिल्ली की स्थिति और मजबूत कर दी। उत्तर प्रदेश के लिए रिंकू सिंह ने अकेले दम पर संघर्ष किया। गोवा के खिलाफ उत्तर प्रदेश की टीम 137 रन पर नौ विकेट गंवाकर संकट में थी। इसके बाद रिंकू ने पारी को संभाला और टीम को 202 रन तक पहुंचाया। इस दौरान उन्होंने मौजूदा सत्र में लगातार दूसरा शतक भी लगाया।

रेल गांव क्लब और जैदी इंडोर क्लब बी ने दर्ज की जीत

प्रयागराज। सैयद असद कासिम अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता में रविवार को खेले गए मुकाबलों में रेल गांव क्लब और जैदी इंडोर क्लब बी ने जीत दर्ज की। मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर खेले गए पहले मैच में रेल गांव क्लब ने एमआईसी बी को 130 रन से हराया। दूसरे मुकाबले में जैदी इंडोर क्लब बी ने विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल को सात विकेट से पराजित किया। पहले मुकाबले में रेल गांव क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 198 रन बनाए। मोहम्मद अकसम अली ने 58, शादान अब्बास रिजवी ने 39, हर्षित जी सहाय ने 28, अनंत पाल ने 18 और मोहम्मद अशरफुल हक ने नाबाद 17 रन बनाए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमआईसी बी की टीम 17.5 ओवर में 68 रन पर सिमट गई। मोहम्मद हमजा खान ने 19 और अब्दुल रहमान ने 11 रन बनाए। रेल गांव क्लब की ओर से रेहान वजाहत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके।

एशियाई पैरा खेल : कपिल ने 69 सेकंड में रफली अहनाफ को हराकर जीता कांस्य

भारत को पहले दिन मिला तीसरा पदक

एजेंसी

नागोया। भारत के पैरा जूडो खिलाड़ी कपिल परमार ने सोमवार को एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। मध्य प्रदेश के सीहोर के रहने वाले कपिल ने पुरुषों के जे1-70 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में इंडोनेशिया के रफली अहनाफ शिदकी को महज एक मिनट नौ सेकंड में इप्पोन के जरिए हराकर पदक अपने नाम किया। यह मुकाबला आइची प्रीफेक्चरल मार्शल आर्ट्स हॉल में खेला गया। प्रतियोगिता के पहले दिन भारत का यह तीसरा पदक रहा। पेरिस पैरालंपिक के कांस्य पदक विजेता कपिल ने सेमीफाइनल में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए पदक जीता। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज कपिल ने 17वीं रैंकिंग वाले इंडोनेशियाई खिलाड़ी



शिदकी को शिकस्त देकर पोडियम पर जगह बनाई। कांस्य पदक मुकाबले तक पहुंचने के लिए कपिल को क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के बातारसुरेन बात-एर्डेन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दोनों के बीच मुकाबला निर्धारित समय में निर्णायक नहीं रहा, जिसके बाद गोल्डन स्कोर में कपिल ने चार मिनट 53 सेकंड के संघर्ष के बाद इप्पोन से जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचने की उनकी उम्मीदों को सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के जुनेदी ने झटका दिया। जुनेदी ने कपिल को इप्पोन से हराया। इस हार के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने हिम्मत नहीं हारी और कांस्य पदक के मुकाबले में महज 69 सेकंड में जीत दर्ज कर ली। दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के जे1 वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाले कपिल वर्ष 2017 से पैरा जूडो में सक्रिय हैं। कोच मुनव्वर अंजार अली सिद्दीकी के मार्गदर्शन में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उनके खाते में पेरिस पैरालंपिक 2024 का कांस्य, हांगझोऊ में आयोजित पिछले एशियाई पैरा खेलों का रजत पदक और 2019 राष्ट्रमंडल जूडो चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक शामिल है।

ला लीगा : रियल मैड्रिड ने सेविया को 4-1 से हराया, एम्बाप्पे ने दागे दो गोल

एजेंसी

मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे के शानदार दो गोल की मदद से रियल मैड्रिड ने रविवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के मुकाबले में सेविया को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया। टीम ने अगले सप्ताहांत बार्सिलोना के खिलाफ होने वाले एल क्लासिको से पहले अपनी तैयारी मजबूत कर ली।रियल मैड्रिड के लिए अर्दा गुलर ने शानदार गोल कर टीम का खाता खोला। इसके बाद एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि यान डिओमांडे ने जोरदार शॉट पर गोल दागकर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। इस जीत से रियल मैड्रिड ने रियल बेटिस को पीछे छोड़ दिया। एम्बाप्पे का पहला गोल बेहद शानदार रहा। उन्होंने सेविया के पेनल्टी क्षेत्र के किनारे गेंद पर बेहतरीन नियंत्रण दिखाते हुए डिफेंडरों को छकाया और गोल कर दिया। इसके बाद उन्होंने पेनल्टी पर पनेन्का शैली में गेंद को चिप करके अपना दूसरा गोल पूरा किया। अर्दा गुलर को मुकाबले की शुरुआत में कोहनी मारने के कारण सीधे लाल कार्ड से बचने का फायदा मिला। हालांकि, उन्होंने बाद में शानदार गोल करके टीम को बढ़त दिलाई। सेविया की ओर से मैनुअल बुएनो ने बेहतरीन शॉट लगाकर एक गोल किया, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी। इस जीत के बावजूद रियल मैड्रिड शीर्ष स्थान की दौड़ में बार्सिलोना से छह अंक पीछे है। बार्सिलोना ने रियल बेटिस को बड़े अंतर से हराया था। एटलेटिको मैड्रिड अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। अगले सप्ताहांत कैंप नोउ में बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच होने वाला एल क्लासिको खिताबी दौड़ के लिहाज से अहम रहेगा।

हांगकांग सिक्सेस के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित, गुलबदीन नायब को मिली कप्तानी

हांगकांग सिक्सेस में प्रत्येक टीम मैदान पर छह खिलाड़ियों के साथ उतरती है और एक पारी में छह ओवर बल्लेबाजी करती है।

एजेंसी

हांगकांग। अफगानिस्तान ने हांगकांग सिक्सेस-2026 के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नायब को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। छह खिलाड़ियों वाले इस तेजतर्रार क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में होगा। अफगानिस्तान की टीम में गुलबदीन नायब के अलावा फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जनत, नांगेयालिया खारोटे और सिदीकुल्लाह पाचा को शामिल किया गया है। टीम में अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ आक्रामक क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस में प्रत्येक टीम मैदान पर छह खिलाड़ियों के साथ उतरती है और एक पारी में छह ओवर बल्लेबाजी करती है। इस प्रारूप में तेज रन बनाना, आक्रामक बल्लेबाजी, रणनीतिक गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण जीत के लिए अहम होते हैं। अफगानिस्तान को ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और



ओमान के साथ रखा गया है। टीम अपने आक्रामक अंदाज और तेजतर्रार बल्लेबाजी के दम पर टूर्नामेंट में प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेगी। क्रिकेट हांगकांग, चीन के वाणिज्यिक एवं विपणन निदेशक अनुराग भटनागर ने कहा, 'अफगानिस्तान ने लगातार अपने खेल में जबरदस्त ऊर्जा और प्रतिस्पर्धी भावना दिखाई है। हमें हांगकांग सिक्सेस-2026 में उसकी टीम का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। यह टूर्नामेंट क्रिकेट के रोमांच, मनोरंजन और तेज गति वाले स्वरूप का उत्सव है। अफगानिस्तान की आक्रामक शैली टूर्नामेंट के रोमांच को और बढ़ाएगी। हम टीम के स्वागत और प्रशंसकों को यादगार क्रिकेट अनुभव देने के लिए उत्सुक हैं। ' हांगकांग सिक्सेस अपने अनूठे प्रारूप के लिए जाना जाता है, जिसमें बड़े शॉट, नए अंदाज की गेंदबाजी और लगातार रोमांच देखने को मिलता है। वर्ष 2026 के संस्करण में दुनिया भर की टीमें हिस्सा लेंगी। अफगानिस्तान की टीमः गुलबदीन नायब (कप्तान), फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जनत, नांगेयालिया खारोटे और सदीकुल्लाह पाचा।

सीरी ए : लाजियो ने युवेंटस को 3-0 से रौंदा, एसी मिलान और कोमो की भी जीत

युवेंटस के कोच लुसियानो स्पालेटी ने कहा, 'हम स्पष्ट रूप से विपक्षी टीम से पिछड़ गए। हमारे खेल में गति और विचारों की कमी थी।

एजेंसी

मिलान। लाजियो ने इटली की फुटबॉल लीग सीरी ए में शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को मेजबान युवेंटस को 3-0 से हरा दिया। इस जीत के साथ लाजियो अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान के बराबर पहुंच गया। गोल अंतर के आधार पर लाजियो दूसरे स्थान पर है। वहीं, एसी मिलान ने अटलांटा को 3-2 से हराया, जबकि कोमो ने फियोरेंटीना को 3-1 से शिकस्त देकर पांचवां स्थान हासिल किया।

लाजियो के सात लीग मुकाबलों के बाद 19 अंक हो गए हैं। यह क्लब का लीग सत्र के शुरुआती सात मैचों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले 1999-2000 सत्र की शुरुआत में टीम ने 17 अंक हासिल किए थे। उस सत्र में लाजियो ने अपना दूसरा और अब तक का आखिरी सीरी ए खिताब जीता था। लाजियो के कोच जेनारो गातुसो ने कहा, 'हम इस लीग में अप्रत्याशित रूप से अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम साबित हो सकते हैं, लेकिन हमें अपना तरीका नहीं बदलना चाहिए। हमें हर मुकाबले को अलग-अलग देखते हुए कड़ी मेहनत जारी रखनी होगी। ' लाजियो ने डेनमार्क के खिलाड़ियों के दो गोल की मदद से मुकाबले पर नियंत्रण बनाया।

ओलिवर प्रोव्स्टगार्ड ने 37वें मिनट में शानदार हेडर से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 66वें मिनट में गुस्ताव इसाकसेन ने गेंद को अंदर की ओर ले जाते हुए सटीक शॉट लगाया और बढ़त दोगुनी कर दी।

मैच समाप्त होने से तीन मिनट पहले स्थानापन्न खिलाड़ी फिसायो डेले-बशिरू ने अपने ही हाफ से गेंद लेकर युवेंटस के पेनल्टी क्षेत्र तक दौड़ लगाई और शानदार गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। युवेंटस के प्रशंसकों ने टीम के प्रदर्शन पर नाराजगी जताई। टीम अपने पिछले पांच लीग मुकाबलों में केवल एक जीत दर्ज कर सकी है और आठवें स्थान पर है। शीर्ष टीमों से उसका अंतर बढ़कर आठ अंक हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 16 हजार रन बनाने वाले पांचवें पाकिस्तानी खिलाड़ी बने बाबर आजम

एजेंसी

रावलपिंडी। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह तीनों प्रारूपों में कुल 16 हजार रन पूरे करने वाले पाकिस्तान के पांचवें बल्लेबाज बन गए। उन्होंने रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में यह मुकाम हासिल किया। बाबर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की 399वीं पारी में 16 हजार रन पूरे किए। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले पाकिस्तान के तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज हैं। उनसे पहले मोहम्मद यूसुफ ने 388 पारियों और जावेद मियांदाद ने 398 पारियों में यह आंकड़ा छुआ था ।बाबर से पहले पाकिस्तान की ओर से जावेद मियांदाद, मोहम्मद यूसुफ, इंजमाम-उल-हक और यूनिस खान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 16 हजार से अधिक रन बना चुके हैं।

श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले से पहले बाबर को 16 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के लिए केवल सात रन की जरूरत थी। पाकिस्तान की पारी में साइम अयूब के तीसरे ओवर में आउट होने के बाद बाबर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने असिथा फर्नांडो की गेंद पर शानदार ड्राइव लगाकर अपना खाता खोला और इसके बाद ऑफ साइड में एक और आकर्षक शॉट खेलकर तीन रन हासिल किए। इसी दौरान उन्होंने 16 हजार रन का आंकड़ा पार कर लिया।

बाबर ने इस मुकाबले में 57 गेंदों पर 45 रन बनाए। उनकी पारी में छह चौके शामिल रहे। उन्हें एशान मलिंगा ने आउट किया।

पाकिस्तान अपनी घरेलू धरती पर श्रीलंका और इंग्लैंड के साथ एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला की मेजबानी कर रहा है। रविवार से शुरू हुई इस



प्रतियोगिता में डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप के तहत कुल सात मुकाबले खेले जाने हैं। फाइनल 31 अक्टूबर को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें अंक तालिका की शीर्ष दो टीमें आमने-सामने होंगी।

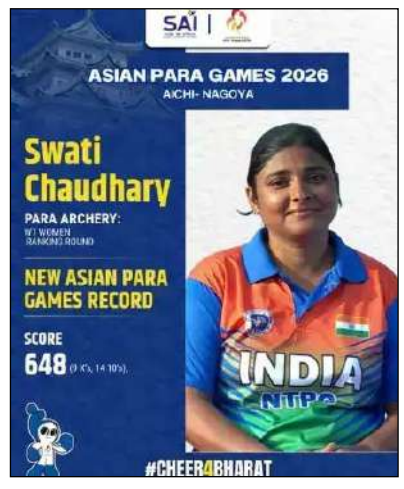
एशियाई पैरा खेलः स्वाति चौधरी ने तीरंदाजी में बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी

आइची-नागोया। भारत की पैरा तीरंदाज स्वाति चौधरी ने सोमवार को एशियाई पैरा खेल-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला तीरंदाजी की रैंकिंग स्पर्धा में नया एशियाई पैरा खेल रिकॉर्ड बनाया। अपने पहले एशियाई पैरा खेलों में हिस्सा ले रहीं स्वाति ने 648 अंक हासिल किए और चीन की मिनयी चेन के 2023 हांगझोऊ खेलों में बनाए 627 अंकों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। स्वाति ने पहले हाफ में 332 और दूसरे हाफ में 316 अंक हासिल किए। उन्होंने नौ बार एक्स और 14 बार 10 अंक का निशाना लगाया। उनके इस प्रदर्शन से भारतीय तीरंदाजी दल को प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत मिली।

शीतल देवी ने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की

भारत की शीतल देवी ने महिला कंपाउंड तीरंदाजी की रैंकिंग स्पर्धा में 720 में से 704 अंक हासिल कर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। यह मुकाबला ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क के बहुउद्देशीय मैदान में आयोजित हुआ। शीतल ने तुर्किये की ओजनुर क्योर के साथ संयुक्त रूप से विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया।



शीतल ने इसी साल बैंकॉक में बनाए अपने 698 अंकों के एशियाई रिकॉर्ड को छह अंकों से बेहतर किया। उन्होंने क्वालीफिकेशन राउंड के दोनों हाफ में 352-352 अंक हासिल किए। इस दौरान उन्होंने 32 बार एक्स और 25 बार 10 अंक का निशाना लगाया। वह रैंकिंग राउंड में पहले स्थान पर रहीं और 2023 हांगझोऊ एशियाई खेलों में बनाए अपने 680 अंकों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया।

भारत की एक अन्य तीरंदाज पायल नाग ने 675 अंक हासिल कर क्वालीफिकेशन में संयुक्त रूप से पांचवां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पहले हाफ में 334 और दूसरे हाफ में 341 अंक बनाए। उनके निशाने में 12 एक्स और 20 बार 10 अंक शामिल रहे।

महिला युगल में शीतल और पायल शीर्ष पर

शीतल देवी और पायल नाग ने महिला कंपाउंड युगल रैंकिंग राउंड में कुल 1,379 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। इसमें शीतल के 704 और पायल के 675 अंक शामिल रहे। पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी की रैंकिंग स्पर्धा में भारत के हरविंदर सिंह 631 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। उन्होंने पहले हाफ में 310 और दूसरे हाफ में 321 अंक हासिल किए। उनके निशाने में आठ एक्स और 13 बार 10 अंक शामिल रहे। विजय सुंडी ने 630 अंक हासिल कर सातवां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पहले हाफ में 318 और दूसरे हाफ में 312 अंक बनाए। उनके खाते में छह एक्स और 13 बार 10 अंक दर्ज रहे।

एशियाई पैरा खेलः मोना अग्रवाल ने बनाया एशियाई रिकॉर्ड, अवनि लेखरा दूसरे स्थान पर

एजेंसी

आइची-नागोया। भारत की निशानेबाज मोना अग्रवाल ने जापान के आइची-नागोया में जारी एशियाई पैरा खेल-2026 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1 स्पर्धा के क्वालीफिकेशन में नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया। वहीं, भारतीय पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने महिला कंपाउंड रैंकिंग राउंड में विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए नया एशियाई रिकॉर्ड अपने नाम किया। इन शानदार प्रदर्शनों से भारत की पदक उम्मीदों को मजबूती मिली है।मोना ने छह सीरीज के बाद 629.1 अंक हासिल किए और क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान पर रहीं। उन्होंने चीन की झांग कुइपिंग के पिछले एशियाई रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मोना विश्व रिकॉर्ड से महज 0.3 अंक दूर रहीं। विश्व रिकॉर्ड 629.4 अंक भारत की अवनि लेखरा और स्लोवाकिया की वेरोनिका वादोविचोवा के नाम संयुक्त रूप से दर्ज है।

अवनि लेखरा ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 626.4 अंक



हासिल किए और क्वालीफिकेशन में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इससे फाइनल में भारत की स्थिति मजबूत हुई। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1 स्पर्धा में भारत के राकेश निदागुंडी और स्वरूप उन्हालकर ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। राकेश 619.3 अंकों के साथ सातवें और स्वरूप 617.4 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहे। वहीं, आनंद कृष्णन 605.2 अंक हासिल कर 13वें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

शीतल देवी ने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की

भारतीय पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने महिला कंपाउंड रैंकिंग राउंड में 720 में से 704 अंक हासिल कर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क के बहुउद्देशीय मैदान में यह उपलब्धि हासिल की। तुर्किये की ओजनुर क्योर के नाम भी संयुक्त रूप से यही विश्व रिकॉर्ड दर्ज है।शीतल ने इस साल मार्च में बैंकॉक में बनाए अपने 698 अंकों के एशियाई रिकॉर्ड को छह अंकों से बेहतर किया। उन्होंने क्वालीफिकेशन राउंड के दोनों हिस्सों में 352-352 अंक हासिल किए। इस दौरान उन्होंने 32 बार एक्स और 25 बार 10 अंक का निशाना लगाया। वह रैंकिंग राउंड में पहले स्थान पर रहीं और 2023 में हांगझोऊ में बनाए अपने 680 अंकों के एशियाई खेलों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया।भारत की एक अन्य तीरंदाज पायल नाग ने 675 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से पांचवां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पहले हाफ में 334 और दूसरे हाफ में 341 अंक बनाए। पायल ने 12 एक्स और 20 बार 10 अंक का निशाना लगाया। शीतल और पायल ने महिला कंपाउंड युगल रैंकिंग राउंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। दोनों ने कुल 1,379 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

22 अक्टूबर से आयोजित होगा सात दिवसीय एमटी-400 चैंपियंस कप टेनिस टूर्नामेंट

एजेंसी

मुरादाबाद। वर्ल्ड टेनिस द्वारा मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन द्वारा 22 अक्टूबर से आयोजित होने वाली सात दिवसीय एमटी-400 चैंपियंस कप टेनिस टूर्नामेंट हेतु रविवार शाम को प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें आयोजकों ने बताया कि यह टूर्नामेंट 22 से 28 अक्टूबर तक ब्रास सिटी जिमखाना, कांठ रोड, अगवानपुर, मुरादाबाद के पास खेला जाएगा। टूर्नामेंट में प्रतिदिन मैच प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक होंगे। अंतरराष्ट्रीय टेनिस संघ द्वारा मनोनीत वाइट बैज रेफरी, एंटन डिसूजा (मुंबई), 21 अक्टूबर को ड्रॉ आदि का कार्य संपन्न कराने के लिए पहुंचेंगे। टूर्नामेंट में अब तक 225 खिलाड़ियों ने अपना नामांकन कराया है, जिनमें लगभग 11 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। यह खिलाड़ी दिल्ली, नागपुर, जोधपुर, बीकानेर, पुणे, मुंबई, केरल, लखनऊ, आसाम, चंडीगढ़, भोपाल, रुद्रपुर, बरेली, मुरादाबाद, मेरठ आदि शहरों के साथ। कनाडा, जर्मनी, और न्यूजीलैंड जैसे देशों से महिला एवं पुरुष खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट की ख्याति के कारण इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के



पदाधिकारियों ने आगे बताया कि एचएस चड्ढा मेमोरियल टूर्नामेंट हर वर्ष चड्ढा ग्रुप द्वारा गुरजीत सिंह चड्ढा के नेतृत्व में अपने स्वर्गवासी पिता सरदार हरभजन सिंह चड्ढा की स्मृति में कराया जाता है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ टाप रैंकिंग के खिलाड़ी 30 से 75 आयु वर्ग में पुरुष एवं महिला दोनों ही श्रेणी में भाग लेंगे। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के पैट्रन सरदार गुरजीत सिंह चड्ढा, अध्यक्ष संजीव जैन और पदाधिकारी राजीव जैन, डॉ अनुराग अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, बंटी तालान आदि ने मीटिंग में यह निर्णय लिया कि इस टूर्नामेंट के सफल संचालन के लिए प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एकजुट होकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया जाएगा। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन संजीव जैन अध्यक्ष, अवनीश रस्तोगी सचिव, गुरजीत सिंह चड्ढा पैटर्न, सदस्य कुलदीप चावला, करनवीर सिहे,राहुल अग्रवाल, डा.संजय शाह, पंकज सक्सेना,मनु शेखर, कुलदीप गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल: भगदड़ में गलत आंकड़े फैलाने पर एक गिर तार

कोलकार्ता। पश्चिम बंगाल में मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कूचबिहार जिले से एनुल हक को गिरफ्तार किया है। उस पर उत्तर कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में 3 दिन पहले हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या को लेकर सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। शनिवार शाम हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 25 अन्य घायल हो गए थे। एनुल हक ने दावा किया था कि हादसे में 60 लोग मारे गए हैं, जबकि आधिकारिक आंकड़ा 19 मौतों का था। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि एनुल को सोमवार को उसके घर से हिरासत में लिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा और सोशल मीडिया पर झूठी सूचनाओं के प्रसार पर भी चिंता व्यक्त की।

दिल्ली-मुंबई एसप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा: पीएसआई समेत तीन युवकों की मौत, कार के उड़े परखच्चे

भरूच। भरूच के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे में पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) यश पटेल समेत तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा मनुबर गांव के पास उस समय हुआ, जब वडोदरा से भरूच की ओर जा रही एक कार आगे चल रहे टेंपो से जोरदार तरीके से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार में कुल चार लोग सवार थे। कार दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मनुबर गांव के पास पहुंची, तभी वह आगे चल रहे टेंपो से टकरा गई। टक्कर के कारण कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए। इस दर्दनाक हादसे में वडोदरा में पीएसआई के पद पर तैनात यश पटेल, पार्थ पटेल और असफाक मोमिन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, कार में सवार चौथे व्यक्ति के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने क्षतिग्रस्त कार से लोगों को बाहर निकालने और राहत कार्य शुरू करने की कार्रवाई की। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और हाईवे पर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, दुर्घटना के सटीक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

दिल्ली में कॉकरोच के पुतला दहन पर विवाद, एडवोकेट बलराज मलिक का विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली के पीतमपुरा में श्री केशव रामलीला समिति द्वारा दशहरे पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ 30 फुट ऊंचे कॉकरोच के पुतले के दहन की घोषणा पर विवाद छिड़ गया है। इस मामले मे एडवोकेट बलराज मलिक के विरोध किया है।
समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा विधायक अशोक गोयल के अनुसार, कॉकरोच का पुतला गंदगी और अस्वच्छता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य स्वच्छ भारत और स्वच्छ दिल्ली का संदेश देना, समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वही बलराज मधोक ने कॉकरोच को आम जनता का प्रतीक बताया है। सारे देश में कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन चल रहा है। आयोजकों की इस पहल के पीछे आयोजकों की राजनीतिक मंशा बताया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि कॉकरोच का पुतला जलाया गया तो वह रामलीला समिति के जो आयोजक हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे और इस तरह के कृत्य का विरोध करेंगे।

मनरेगा की जगह वीबी-जी राम जी: सामाजिक सुरक्षा पर सर्जिकल स्ट्राइक

-कांग्रेस का आरोप- कई ग्रामीणों को महीनों से कोई काम नहीं मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम (वीबी-जी राम जी) से बदलने के कदम को ग्रामीण भारत के सामाजिक सुरक्षा तंत्र पर एक सर्जिकल स्ट्राइक बताया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा में सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि यह बदलाव ग्रामीण मजदूरों को मिलने वाले आवश्यक सहारे को कमजोर कर देगा। सोशल मीडिया पोस्ट में कांग्रेस नेता रमेश ने महाराष्ट्र की गंभीर स्थिति का हवाला दिया, जहां बीड सहित कई जिलों में बीते एक दशक का सबसे भीषण सूखा पड़ा है। उन्होंने रेखांकित किया कि इसतरह के बेहद चुनौतीपूर्ण समय में, मनरेगा ग्रामीण आबादी के लिए जीवनरेखा और सुरक्षा की गारंटी प्रदान करता था। लेकिन, इस प्रतिष्ठित योजना को वीबी-जी राम जी से बदलना, ग्रामीण भारत को एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच से वंचित करने जैसा है।



विस्तृत जमीनी जांच का हवाला देकर कांग्रेस नेता रमेश ने चौंकाने वाले आरोप लगाए। रिपोर्ट के अनुसार, कई ग्रामीणों को महीनों से कोई काम नहीं मिला है, जबकि सरकारी दस्तावेजों में उन्हें काम पर लगा हुआ दिखाया गया है। उन्होंने दावा किया कि लोकल राजनेता, जो कथित तौर पर सत्ताधारी दल से जुड़े हैं, मजदूरों की मेहनत की कमाई को हड़प रहे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि मजदूरों की मजदूरी की व्यवस्थित चोरी करार दिया। उन्होंने दावे को पुष्ट करने के लिए उत्तर प्रदेश और अन्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में सामने आए फर्जी उपस्थिति और क्लोन एप्लीकेशन से जुड़े घोटालों का जिक्र किया। कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण मजदूरी चोरी को पूरी तरह से अंजाम दिया है, जिससे देश के सबसे कमजोर तबके को सीधे तौर पर नुकसान हो रहा है।
बात दें कि वीबी-जी राम जी अधिनियम को संसद के 2025 के शीतकालीन सत्र में मंजूरी मिलने के बाद, यह 1 जुलाई 2026 से लागू हो गया है। इस नए कानून में मनरेगा के तहत मिलने वाली 100 दिनों की रोजगार गारंटी को बढ़ाकर 125 दिनों की गारंटी किया गया है। हालांकि, विपक्ष ने इसकी तीखी आलोचना की है। प्रमुख आपत्तियों में से एक यह है कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया गया है। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच फंडिंग का अनुपात बदलकर 60:40 किया गया है, जिस पर भी कई सवाल उठ रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ पर हमले मामले में चौथा आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

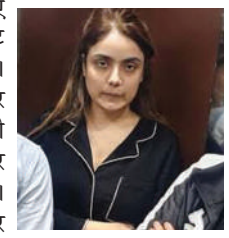
-लारेंस गैंग के सदस्य अनिल पंडित के बीच कड़ी का कर रहा था काम

मुंबई, एजेंसी। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई गोलीबारी के मामले में हरियाणा से चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान समीर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह हमलावरों और कैलिफोर्निया में रहने वाले लारेंस गैंग के सदस्य अनिल पंडित के बीच एक कड़ी का काम कर रहा था। इस नई गिरफ्तारी के बाद हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या 6 हो गई है। सोमवार को राजस्थान के कोटा से शूटर फूलसिंह, ऋतिक कुमार और रेहान को गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, जिनमें से एक को महाराष्ट्र-गुजरात सीमा से पकड़ा गया था। इन तीनों को अभी कोटा रेलवे कॉलोनी पुलिस थाने में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है, और आज इन्हें मुंबई जाया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक अनिल पंडित, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का साथी है, जिसने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। इससे पहले रेहान, फूल सिंह और रितिक नाम के तीन हमलावरों को कोटा रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया था, जब वे दिल्ली और नेपाल की ओर भागने की कोशिश कर रहे थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि हमलावरों ने गोलीबारी करने से पहले इलाके की रेकी की थी। जानकारी के मुताबिक रेहान को 35,000 रुपये देने और विदेश में बसाने का लालच दिया गया था। मामले से जुड़े अहम सबूतों में रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज, मुंबई से सूरत तक टैक्सी का सफर, अंधेरी के पास लावारिस मिली बाइक और बैलिस्टिक जांच के लिए भेजे गए गोलियों के खोखे शामिल हैं। मुंबई पुलिस और हरियाणा पुलिस इस साजिश के पीछे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। पुलिस को शक है कि समीर मुंबई में कुछ लोगों के संपर्क में है। जांच के दौरान पुलिस इन लोगों के बारे में और जानकारी जुटाने की कोशिश करेगी।

शिवा हत्याकांड की मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे नागपुर से गिरफ्तार

-11 दिन से चल रही थी फरार, बहन रश्मि और ड्राइवर भी पकड़े गए

लखनऊ। लखनऊ के कैफे संचालक शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे को उत्तर प्रदेश पुलिस ने महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मंगलवार को एक फ्लैट पर छापा मारकर श्रद्धा के साथ उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर को भी पकड़ा। तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।
पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद से फरार श्रद्धा की तलाश में उत्तर प्रदेश पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) जुटी हुई थीं। अब उसे ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाने की तैयारी है। पुलिस के अनुसार, श्रद्धा दुबे सड़क मार्ग से आगरा होते हुए नागपुर पहुंची थी। वहां एक परिचित के फ्लैट में उसके ठहरने की व्यवस्था की गई थी। एसटीएफ ने उसकी लोकेशन ट्रेस की और नागपुर पुलिस की मदद से गिरफ्तारी की कार्रवाई की। मंगलवार को टीम ने फ्लैट पर छापा मारकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि श्रद्धा अपनी बहन और ड्राइवर के साथ लगातार बुर्का पहनकर यात्रा कर रही थी, ताकि पहचान छिपाकर गिरफ्तारी से बच सके। बताया जा रहा है कि वह अग्रिम जमानत लेने की कोशिश भी कर रही थी। हालांकि, इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।



एसटीएफ की मदद से मिली कामयाबी
श्रद्धा की गिरफ्तारी के लिए लखनऊ पुलिस को उत्तर प्रदेश एसटीएफ का सहयोग मिला। मंगलवार को ही एसटीएफ को उसकी तलाश तेज करने के निर्देश दिए गए थे। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच लखनऊ पुलिस ही करेगी। गिरफ्तारी के बाद अब आरोपी से पूछताछ और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पड़ताल की जाएगी।
चौथी मंजिल से गिरकर हुई थी शिवा की मौत
लखनऊ के हजरतगंज स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट में 9 अक्टूबर 2026 को कैफे संचालक शिवा शर्मा की चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। घटना के बाद शिवा के परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस के अनुसार, श्रद्धा दुबे करीब 11 दिनों से फरार थी।

भाजपा ने विमान का वीडियो पोस्ट कर किया दावा- राहुल गांधी वियतनाम गए

-कांग्रेस बोली- राहुल छात्रों और बुद्धिजीवियों से भी मिलते हैं, इसमें मुद्दा या है

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच भाजपा ने दावा किया है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वियतनाम गए हैं। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विमान के अंदर का एक वीडियो पोस्ट कर राहुल गांधी पर निशाना साधा। कांग्रेस ने भाजपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए सवाल उठाया कि राहुल गांधी की विदेश यात्रा को राजनीतिक मुद्दा क्यों बनाया जा रहा है।
भाजपा ने वीडियो के साथ तंज कसते हुए लिखा, 'झूठ फैलाते-फैलाते थक गया। कुछ दिन वियतनाम घूम आता हूं, किसी को क्या ही पता चलेगा।' पार्टी ने इस पोस्ट के जरिए राहुल गांधी पर निशाना साधने की कोशिश की। भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि राहुल गांधी पहले भी ऐसा करते रहे हैं। उनके मुताबिक, बिहार में यात्रा के बाद भी राहुल गांधी वियतनाम गए थे। उन्होंने संभावना जताई कि इस बार भी राहुल उसी देश की यात्रा पर गए हों।



भाजपा नेता शाजिया इल्मी ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी राजनीतिक कामकाज का दबाव नहीं सह पाते और कुछ समय बाद छुट्टी पर चले जाते हैं। इल्मी ने दावा किया कि राहुल गांधी दो सप्ताह भी काम नहीं कर पाए और फिर विदेश चले गए। हालांकि, भाजपा नेताओं के इन दावों के समर्थन में राहुल गांधी की मौजूदा यात्रा को लेकर कोई स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है।
कांग्रेस का सवाल- दूसरे लोग भी जाते हैं विदेश...
कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी कहां जाते हैं और कब विदेश यात्रा करते हैं, इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि दूसरे नेता भी विदेश यात्राएं करते हैं, लेकिन हर यात्रा को लेकर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए। दीक्षित ने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं का बचाव करते हुए कहा कि वे येल यूनिवर्सिटी और लंदन में छात्रों से बातचीत करते हैं। इसके अलावा वे बुद्धिजीवियों से मिलते हैं और प्रेस को साक्षात्कार भी देते हैं। उनके मुताबिक, इन यात्राओं को केवल छुट्टी के तौर पर देखना उचित नहीं है।
प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का भी उठाया मुद्दा
संदीप दीक्षित ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं का जिक्र करते हुए कहा कि संसद सत्र के दौरान विदेश यात्रा न करने की परंपरा प्रधानमंत्री ने भी तोड़ी है। उन्होंने सवाल किया कि उस समय इस तरह की आलोचना क्यों नहीं की जाती। एसआईआर को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच जारी राजनीतिक टकराव के बीच राहुल गांधी की कथित विदेश यात्रा नया विवाद बन गई है।

एससीओ में भारत का आह्वान: आतंकवाद के पूरे तंत्र को सामूहिक रूप से समाप्त करें

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को शांति और विकास के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताकर इसके पूरे तंत्र को सामूहिक रूप से समाप्त करने का सशक्त आह्वान किया है। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्ष परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में सही नहीं ठहराया जा सकता, और इससे निपटने में दोहरे मापदंड नहीं दिखा सकते है। राजनाथ सिंह ने जोर दिया कि आतंकवादियों को आर्थिक मदद देने, उनका समर्थन करने या उन्हें सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध करने वालों को कोई जगह नहीं होनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद न केवल निर्दोषों की जान लेता है, बल्कि निवेश और व्यापार को भी प्रभावित करता है, समाज को कट्टरता की ओर धकेलता है, और युवाओं को अवसरों से वंचित करता है। उन्होंने बिश्केक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संगठन के लिए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों के आह्वान को दोहराया। राजनाथ सिंह ने इन स्तंभों को एक-दूसरे का पूरक बताया, जहां सुरक्षा निवेश के अवसर पैदा करती है, संपर्क व्यापार को बढ़ावा देता है और इन दोनों के माध्यम से लोगों के लिए नए अवसर तैयार होते हैं। भारत ने ताशकंद में सार्वभौमिक केंद्र और दुशांबे में मादक पदार्थ विरोधी केंद्र को एससीओ की स्थायी संस्थाएं बनाने के फैसले का स्वागत किया, हालांकि उनकी उपयोगिता आपसी तालमेल और कार्य निष्पादन की गति पर निर्भर करेगी। क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सदस्य देशों के बीच बेहतर समन्वय और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। आर्थिक सहयोग पर अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए, राजनाथ सिंह ने समावेशी भागीदारी की वकालत की, जिससे प्रत्येक सदस्य देश को लाभ मिले। उन्होंने मजबूत और संकटों का सामना करने में सक्षम आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने, व्यापार व निवेश को आसान बनाने तथा विकास के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर जोर दिया। आर्थिक सहयोग का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचना चाहिए। साझा समृद्धि के लिए संपर्क व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताते हुए, भारत ऐसी संपर्क परियोजनाओं का समर्थन करता है जो बाजारों को जोड़ें, व्यापार को आसान बनाएं और विकास के नए अवसर पैदा करें, जैसे कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा और चाबहार बंदरगाह। हालांकि, रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी संपर्क परियोजनाएं परामर्श और उनमें शामिल प्रत्येक देश की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान पर आधारित होनी चाहिए, क्योंकि इन सिद्धांतों का सम्मान न करने वाली परियोजनाएं टिकाऊ नहीं हो सकतीं।



यूपी विधानसभा चुनाव: भाजपा राजा भैया को साधने की जुगत में?

हिंदुत्व और हिंदू हितों के समर्थन में बयान दे रहे राजा भैया

लखनऊ, एजेंसी । देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण राजनैतिक घटनाक्रम के तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने जनसत्ता दल के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के लखनऊ स्थित आवास रामायण पर अचानक मुलाकात की। इस राजनैतिक बैठक ने नए सियासी समीकरणों और अटकलों को जन्म दे दिया है, खासकर आगामी विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और राजा भैया के बीच बढ़ती संभावित नजदीकियों को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा शुरु हुई है।
इस मुलाकात की तात्कालिक वजह 11 सीटों पर हो रहे विधान परिषद सदस्य चुनाव को माना जा रहा है, जहां भाजपा को कुछ सीटों पर कड़ी टक्कर मिलने की खबरें हैं। इसके बाद राजनीतिक दलों और प्रभावशाली नेताओं के समर्थन की संभावनाएं अहम होती हैं। राजा भैया की जनसत्ता दल के पास दो विधायक और एक एमएलसी हैं, जो कांग्रेस (दो विधायक) और अब बसपा (एक भी विधायक नहीं, रसड़ा विधायक उमाशंकर सिंह के निधन के बाद) जैसे दलों से अधिक राजनीतिक ताकत है। अतीत में राजा भैया ने भाजपा से उतनी तवज्जो न मिलने की शिकायत की थी। इसके बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का स्वयं उनके आवास पर पहुंचना उनकी राजनीतिक शक्ति को स्वीकार करने और उन्हें साधने की भाजपा की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।
राजा भैया और भाजपा के संभावित समीकरणों की चर्चा केवल चुनावी गणित तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ समय से राजा भैया का हिंदुत्व और हिंदू हितों से जुड़े मुद्दों पर मुखर रुख भी भाजपा के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। राम मंदिर से लेकर हिंदुत्व के समर्थन में उनके बयान और विधानसभा में इन मुद्दों पर उनकी सक्रियता इस ओर इशारा करती है। राजनीतिक गलियारों में माना जा रहा है कि भाजपा के लिए राजा भैया के साथ बेहतर तालमेल की संभावनाएं तलाशने के पीछे यह पहलू भी महत्वपूर्ण हो सकता है।
2027 के विधानसभा चुनाव से पहले, भाजपा अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इसतरह के प्रभावशाली क्षेत्रीय नेताओं से तालमेल बिठाने में लगी हुई है। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने राजा भैया के उम्मीदवारों के खिलाफ प्रत्याशी उतारे थे, जहां दो सीटों पर भाजपा तीसरे स्थान पर रही थी, जो जनसत्ता दल की लोकल प्रभावशीलता को दिखाता है। हालांकि, दोनों नेताओं के बीच किन मुद्दों पर बातचीत हुई, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, और किसी औपचारिक गठबंधन का संकेत मानना जल्दबाजी होगी। फिलहाल इस मुलाकात को भाजपा द्वारा राजा भैया तक अपनी पहुंच बढ़ाने और भविष्य में राजनीतिक तालमेल की जमीन तैयार करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

आशुतोष-सौरव की कस्टडी बढ़ने पर भड़कीं ममता बनर्जी... देश में लोकतंत्र पर हमला, सीजेपी ने ममता को कहा धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। टीएमसी प्रमुख और बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आशुतोष और सौरव की हिरासत बढ़ाए जाने पर सवाल उठाकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। वहीं सीजेपी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनके समर्थन के लिए आभार जताया। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की कस्टडी बढ़ाए जाने पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने पोस्ट कर दोनों की तत्काल रिहाई की मांग की। ममता के बयान पर सीजेपी के आधिकारिक हैंडल से प्रतिक्रिया देकर लिखा, 'मैम, आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।'

पंजाब में अमित शाह ने पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

-विक्रमजीत और गुलजार सिंह के परिजनों को न्याय का दिलाया भरोसा

गुरदासपुर, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पंजाब दौरे के दौरान नशाखोरी के खिलाफ आवाज उठाने के बाद जान गंवाने वाले विक्रमजीत और गुलजार सिंह के परिवारों से मुलाकात की। शाह करीब 20 दिन के भीतर दूसरी बार पंजाब पहुंचे हैं। अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर के जरिए वे सीधे गुरदासपुर पहुंचे, जहां उन्होंने दोनों पीड़ित परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। केंद्रीय मंत्री शाह सबसे पहले विक्रमजीत के घर पहुंचे। विक्रमजीत की 15 अक्टूबर को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया गया कि उन्होंने इलाके में नशा बेचने वालों का विरोध किया था, जिसके बाद उनकी हत्या कर दी गई। इसके बाद गृहमंत्री संगरूर जिले के तूर वंजारा गांव पहुंचे और गुलजार सिंह के परिजनों से मुलाकात की।



गुलजार सिंह ने पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा की सभा में नशे के मुद्दे पर सवाल उठाया था। इसके बाद उन्हें कथित तौर पर परेशान किया गया। बाद में उन्होंने जहर खा लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। शाह ने करीब 10 से 12 मिनट तक उनके परिवार के साथ बातचीत की और घटनाक्रम की जानकारी ली। गुलजार सिंह के बेटे ने गृहमंत्री से अपने पिता की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन उनके अनुसार मुख्य आरोपी बताए जा रहे हरपाल सिंह का नाम एफआईआर में शामिल नहीं है। परिवार ने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग भी उठाई। परिजनों की मांग पर शाह ने भरोसा दिलाया कि जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें सजा दिलाई जाएगी।